दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
सिद्धार्थनगर
बुधवार, 30 अप्रैल 2025
वर्ष: 12 अंक: 137 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

परशुराम जन्मोत्सव व्रत होता है ...8

हाईलेवल मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले

हम सेना को खुली छूट देते हैं, समय और टारगेट खुद तय करेंगे

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। इसी सिलसिले में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई, जो करीब 1 घंटे 30 मिनट तक चली। पीएम मोदी ने सेना को खुली छूट देते हुए कहा कि वह अपना समय और टारगेट खुद तय करेंगे और आतंकवाद का करारा जवाब देंगे। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डी।) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी मौजूद थे। बैठक में आतंकियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशनों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने साफ निर्देश दिया कि हमले के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो और अमरनाथ यात्रा सहित आम लोगों की सुरक्षा में कोई चूक न हो।

बैठक में पीएम ने लिए बड़े फैसले

सेना को ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई है।
सेना तय करेगी कि कब, कहां और कैसे जवाब देना है।
हम आतंकवाद को करारा जवाब देंगे, यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।
प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमले में शामिल आतंकियों और उनके मददगारों को धरती के आखिरी कोने तक खोजकर सजा दी जाएगी– ऐसी सजा, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ उठाए कदम

सिंधु जल संधि को रोकना
सेना को हाई अलर्ट पर रखना
एलओसी और बॉर्डर पर ऑपरेशनल तैयारी बढ़ाना
पीओके में आतंकी ठिकानों की ड्रोन और सैटेलाइट से निगरानी।

पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी से मिले मोहन भागवत, पीएम आवास में करबीब डेढ़ घंटे तक चली बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मंगलवार को मुलाकात की। पीएम आवास में दोनों की

मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख के बीच बैठक चल रही है। कुछ मिनट पहले ही गृह मंत्री भी प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। मोहन भागवत से मुलाकात करने से पहले पीएम आवास में हाई लेवल मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, डी। अजीत डोभाल और श्री जनरल अनिल चौहान और थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी भी मौजूद थे। मीटिंग में पीएम ने कहा कि सरकार को भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है। वहीं, अटैक का तरीका और समय सेना तय करे। पीएम मोदी ने आतंकियों पर कार्रवाई करने के लिए सेना को खुली छूट दी है।

9.89 करोड़ रुपये की लागत से बने गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का सीएम योगी ने किया लोकार्पण

परिवार को सबकुछ मानने वाले सपा और कांग्रेस से कोई उम्मीद करनी बेमानी : सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में 2014 के पहले की सरकार के एजेंडे में देश नहीं था। इसी तरह 2017 के पहले उत्तर प्रदेश की सरकार के एजेंडे में आम जनता नहीं थी। इन सरकारों के एजेंडे में सिर्फ वोट बैंक था। वोट बैंक के एजेंडे को लेकर चलने वाली इन सरकारों ने देश और प्रदेश की जो दुर्गति की वह सबके सामने है। सीएम योगी मंगलवार को महानगर नगर निगम के गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन (जीटीएस) का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। नेशनल एयर क्लीन प्रोग्राम के अंतर्गत नगर निगम के इस गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण पर कुल 9.89 करोड़ रुपये की लागत आई है। जीटीएस के लोकार्पण समारोह में

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हर व्यक्ति को क्वालिटी ऑफ लाइफ देने के लिए देश में 2014 से प्रदेश में 2017 से जो कार्य हो रहे हैं वे पहले भी हो सकते थे। पर तब सत्ता में ऐसे लोग थे जो कुछ नहीं कर पाए। सभी नागरिकों को अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी कार्य को करने के लिए विजन चाहिए। विजन को धरातल पर उतारने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और ईमानदारी से कार्य करने की प्रवृत्ति चाहिए। परिकल्पना को परिणाम में बदलने के लिए टीमवर्क चाहिए। पर, जहां परिवार को ही सबकुछ मान लिया जाता हो, वहां सत्ता में बैठे लोगों से कोई उम्मीद करनी बेमानी है। उन्होंने कहा कि 2017 से पूर्व प्रदेश में सपा और 2014 से पूर्व केंद्र में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल यही बेमानी करते रहे।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक्स अकाउंट भारत में बंद, फैला रहे थे फेक खबर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के आधिकारिक एक्स अकाउंट को पहलगाम में इस्लामाबाद प्रायोजित आतंकी हमले के बाद जम्मू–कश्मीर पर गलत सूचना और फर्जी खबरें फैलाने के लिए भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। अकाउंट तक पहुंचने का प्रयास करने पर, एक्स पर एक संदेश दिखाई देता है, जिसमें लिखा है, "@KhwajaMAsif को कानूनी मांग के जवाब में रोक दिया गया है।" यह कदम भारत द्वारा पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) खाते तक पहुंच अवरुद्ध करने और 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के

कुछ दिनों बाद उठाया गया है। इससे पहले भारत ने कहा है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलेआम कबूल किया है कि उनके देश का आतंकवादी संगठनों का समर्थन और वित्तपोषण करने का इतिहास रहा है और यह कबूलनामा उजागर करता है कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला एक 'दुष्ट देश' है और क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद निरोधक कार्यालय के विक्टिम्स ऑफ टेररिज्म एसोसिएशन नेटवर्क (वोटन) के डिजिटल सह प्रत्यक्ष (हाइब्रिड) उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया और पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले का संदर्भ दिए जाने पर अपने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए इसका जोरदार तरीके से उत्तर दिया।

कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं...

गुलाम नबी आजाद का बड़ा बयान

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पहले लोग सिर्फ तभी सड़कों पर उतरते थे जब विरोध। प्रदर्शन नेताओं द्वारा प्रायोजित होते थे। मैंने पहली बार लोगों को पहल करते और सड़कों पर उतरते देखा। उन्होंने कहा कि लोगों ने धार्मिक स्थलों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। मैंने पहली बार कश्मीर में मुसलमानों के बीच इतना आतंकवाद विरोधी माहौल देखा है। अगर मीडिया ने विरोध

प्रदर्शनों को ठीक से कवर किया होता तो पाकिस्तान को अच्छा जवाब मिलता। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं है। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी। आजाद ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले लोग ऐसी घटनाओं की निंदा कम ही करते थे। शायद इसलिए क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे आतंकवादियों के खिलाफ बोलेंगे तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। लेकिन यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूं कि पूरा जम्मू–कश्मीर शोक में है और जम्मू–कश्मीर का हर गांव, जिला और शहर कल हुई घटना के विरोध में बंद है।

सुपरटेक पर शिकंजा कसने की तैयारी!

सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डर–बैंकों की सांठगांठ का पता लगाने के लिए सीबीआई जांच का दिया आदेश

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सुपरटेक लिमिटेड की रियल एस्टेट परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने बैंकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच गठजोड़ को लेकर चिंता व्यक्त की है, जिसके कारण कथित तौर पर व्यापक धोखाधड़ी हुई है, जिससे हजारों घर खरीदार प्रभावित हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) से पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी), निरीक्षकों और कांस्टेबलों सहित अधिकारियों की एक सूची भी मांगी है, ताकि विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने में मदद मिल सके। एसआईटी को इन रियल एस्टेट परियोजनाओं से जुड़ी कथित धोखाधड़ी गतिविधियों की जांच करने का काम सौंपा जाएगा। इसके अलावा, न्यायालय ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, नोएडा प्राधिकरण, आवास

और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सीईओ/प्रशासकों सहित कई प्रमुख प्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे एसआईटी की जांच में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करें। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश के बाद की गई है, जिसमें यह खुलासा हुआ था कि हजारों घर खरीदार सबवेंशन स्कीम से प्रभावित हुए हैं, जिसके तहत बैंकों ने कथित तौर पर परियोजनाओं के पूरा होने से पहले बिल्डरों को होम लोन की 60–70 राशि का भुगतान किया था। कई मामलों में, खरीदारों को अपने फ्लैटों का कब्जा न मिलने के बावजूद समान मासिक किस्तों (ईएमआई) का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया। याचिकाकर्ता, घर खरीदारों का एक समूह जिन्होंने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम सहित विभिन्न एनसीआर क्षेत्रों में इन सबवेंशन योजनाओं के तहत अपार्टमेंट बुक किए थे, न्याय की मांग कर रहे हैं।

हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, जम्मू के अखनूर सेक्टर में की गोलीबारी, सीमा पर बढ़ा तनाव

जम्मू। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को शह दे रही पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी का दायरा बढ़ा रही है। पाकिस्तानी सेना ने कुपवाड़ा, बारामुला सेक्टरों के साथ सोमवार देर रात को

जम्मू जिला के अखनूर सेक्टर में भी गोलीबारी की है। पहलगाम में आतंकी हमले से उपजे हालात में पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू–कश्मीर में लगातार पांचवीं रात नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। ऐसे में सीमा पार से गोलीबारी, घुसपैठ जैसी साजिशों को नकारने के लिए कड़ी सतर्कता बरतने के साथ सेना पहाड़ी जिलों में सक्रिय आतंकवादियों को मार गिराने के लिए भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। सेना ने भी गोलीबारी का दिया जवाब, जम्मू के पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने सोमवार–मंगलवार की मध्यरात्रि को पाकिस्तान की ओर से अकारण गोलीबारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों में भारतीय सेना ने उकसावे के लिए की गई इस गोलीबारी का संतुलित व प्रभावी तरीके से जवाब दिया। उन्होंने सीमा पार से भारतीय इलाकों पर की गई इस गोलीबारी में किसी प्रकार का कोई नुकसान होने से इंकार किया है।

बीजेपी ने कांग्रेस को बताया लश्कर–ए–पाकिस्तान

कहा– सर तन से जुदा पार्टी की विचारधारा और चरित्र

नई दिल्ली। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने मंगलवार को कांग्रेस की इस विवादित पोस्ट की कड़ी निंदा करते हुए इसे बेहद दुखद और चिंताजनक बताया। भाटिया ने पार्टी पर अपने 'दो चेहरे' दिखाने और 'लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस' में तब्दील होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। भाटिया ने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। लेकिन एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है लेकिन अगर उसे लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वेरिफाइड X हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट की जाती है। इस तस्वीर के पोस्ट होने के बाद एक बहुत बड़ा सिग्नल शत्रु देश पाकिस्तान को दिया जाता है कि चिंता मत करो, भारत के अंदर भीर जाकर, तुम्हारे समर्थक सब उपस्थित हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तस्वीर में शरीर है, लेकिन सिर नहीं है। 'सर तन से जुदा' आज लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस की विचारधारा और चरित्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री, जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं, जो पूरे देश को शर्मसार करते हैं और पीड़ा देते हैं। गौरव भाटिया ने कहा कि ये लश्कर–ए–पाकिस्तान कांग्रेस का प्रयास है कि इस अहम समय में कैसे भारत को कमजोर किया जाए और कांग्रेस के ट्विटर से पाकिस्तान को सिग्नल दिया जाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारत की सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वो देश का मनोबल तोड़ना तो दूर कम भी कर सके।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय मूल के लोग पाकिस्तान के दूतावास और उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन के दौरान उनका अधिकारी बालकनी से बाहर आकर इशारा करता है कि हम भारतीयों का सिर काट देंगे।

चारधाम यात्रा को लेकर अलर्ट

देहरादून। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही बुधवार से प्रारंभ होने जा रही चारधाम यात्रा पर शासन संजीदगी से नजर बनाए हुए है। इसी कड़ी में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में चारधाम यात्रा की तैयारियों को परखा। साथ ही निर्देश दिए कि उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जाए। तीर्थयात्रियों की सुरक्षित व सुखद यात्रा और सकुशल वापसी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा के लिए उत्तरकाशी के जिलाधिकारी को शुभकामनाएं भी दीं। मुख्य सचिव ने चारधाम यात्रा मार्गों पर सब्जी, राशन, गैस समेत आवश्यक सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। साथ ही यात्रा मार्गों पर ओवररेटिंग पर निगरानी रखने और इसके लिए तंत्र बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या के लिए मंडलायुक्त और आइजी एकल संपर्क बिंदु होंगे। उन्होंने चारों धामों में स्वास्थ्य सुविधा की तैयारियों की जानकारी भी स्वास्थ्य सचिव से ली।

जवाहर नवोदय विद्यालय, बसन्तपुर में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, बसन्तपुर, सिद्धार्थनगर में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का संचार हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य आशुतोष मिश्र के स्वागत भाषण से हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटक तथा लोक परंपराओं पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करते हुए 'बालमन' नामक बाल पत्रिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक एवं पाठ्यसहगामी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राजेश शर्मा प्रेस क्लब अध्यक्ष,राम सरन प्रक्र, डा.एजाज खान,डा0 महेश कुमार के साथ वरिष्ठ प्रवक्ता राकेश सिंह, सुनील श्रीवास्तव, अमिताभ सिंह राजपूत, शुभना दुबे, रवि पांडेय, ओ. पी. दुबे, कपिलदेव यादव एवं ए के मिश्रा सहित समस्त सम्मानित शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उपप्राचार्य एन. के. सिंह द्वारा आभार ज्ञापन के साथ हुआ। विद्यालय परिवार द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एक राष्ट्र एक चुनाव राष्ट्रहित में ऐतिहासिक कदम: श्यामधनी राही

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन। एक राष्ट्र एक चुनाव विकसित भारत की आधारशिला है तथा यह देश के विकास को एक नई दिशा एवं गति मिलेगी। यह बातें सदर विधायक श्यामधनी राही वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर लोटन बाजार में विधायक संवाद संगोष्ठी में कही। गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में बार बार चुनाव होने से सरकारी तंत्रों की व्यस्तता केवल विभिन्न चुनावों को संपन्न कराने में ही हो जाती है। ऐसे में देश में विकास कार्य काफी हद तक प्रभावित होते हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा देने वाले इस ऐतिहासिक विचार पर अपने विचार साझा करते हुए नए भारत के निर्माण में सबके योगदान का आह्वान किया। कार्यक्रम को पूर्व जिलाध्यक्ष कुंजबिहारी मिश्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय मंडल अध्यक्ष ग. नारायण सिंह सहित अजय उपाध्याय रामनिवास यादव अरविंद मणि त्रिपाठी मुसे सिंह धीरेंद्र चौबे दिलीप पाण्डेय आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन तेजू विश्वकर्मा ने किया तथा अध्यक्षता अजय उपाध्याय ने किया। इस दौरान सत्य प्रकाश राही पन्नालाल यादव संपूर्णानंद पाण्डेय विकास पाण्डेय हरिराम ज्ञा दत्त त्रिपाठी सोनू सिंह अंकित सिंह पंकज वर्मा हजारी गुप्ता कमलेश चौरसिया प्रदीप मोहनलाल मद्धू विश्वकर्मा शम्भू जायसवाल फूलचंद कन्नौजिया सीताराम यादव श्याम प्रकाश दुर्विजय सिंह बबलू पाण्डेय विजय चौरसिया अनुराग कसौधन कोमल प्रधान अरबाज चौधरी जितेंद्र श्रीवास्तव बालगोविंद पाठक मनीष जायसवाल अजय सिंह राम रेखा यादव सत्या दुबे संदीप दुबे सौरभ पाण्डेय राजाराम लोधी श्यामनंदन पंकज बाबा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

टीबी को हराने के लिये पौष्टिक एवं संतुलित आहार जरूरी: सीएमओ

आईएमए,प्रवासी मदद फाउंडेशन एवं ऐशप्रा ज्वेलर्स के सहयोग से टीबी रोगियों को दी गयी पोषण की पोटली

दैनिक बुद्ध का संदेश

पडरौना/कुशीनगर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी रोगियों को गोद लेने का कार्यक्रम जनपद में चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में मंगलवार को जिला क्षयरोग केंद्र पर आईएमए,प्रवासी मदद फाउंडेशन एवं ऐशप्रा ज्वेलर्स के सहयोग से 32 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनुपम प्रकाश भास्कर ने कहा कि टीबी को हराने के लिये पौष्टिक एवं संतुलित आहार की जरूरत पड़ती है जिसे मरीज दवा के साथ खाकर शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। डॉ भास्कर ने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी का सपना 2025 टीबी मुक्त भारत का आप सभी के सहयोग से ही साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीबी रोगी अपने साथ रह रहे सभी व्यक्तियों की जाँच अवश्य करायें तथा ताकि उनके बचाव हेतु दवा दिया जा सके। टीबी रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली देने वाले आईएमए,प्रवासी मदद फाउंडेशन एवं ऐशप्रा ज्वेलर्स की प्रशंसा करते हुये उन्हें शुभकामनाएं दिये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एस एन त्रिपाठी ने कहा कि टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें प्रतिमाह प्रोटीनयुक्त आहार देने वाले निक्षय मित्रों के सहयोग से ही टीबी रोगी के स्वस्थ होने की सफलता दर में भी लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने ने कहा कि जनपद के प्राइवेट चिकित्सक गण का टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में सराहनीय सहयोग मिल रहा है। आईएमए के पूर्व सचिव डॉ अजय शुक्ला,प्रवासी मदद फाउंडेशन के अध्यक्ष अविनाश कुमार मिंटू एवं सन्दीप मिश्र,ऐशप्रा ज्वेलर्स के उमंग खेतान ने भी सम्बोधित किया। का संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। अतिथियों का स्वागत जिला कार्यक्रम समन्वयक अनुपम मिश्र एवं आभार पीपीएम नितेश राय ने व्यक्त किया। इस दौरान एसटीएस विवेक यादव,लेखाकार कमलशंकर पांडेय,अरमान अहमद,राकेश सिंह,सुमन्त शुक्ला,अविनाश गुप्ता,अनिल सिंह,सूर्य प्रकाश शर्मा,राजा,प्रभु,विद्या,वीरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

पहलगाम के ज़ख्मों पर निकला दर्द : भारतीय पत्रकार महासभा का आक्रोश सड़कों पर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पहलगाम की शांत वादियों को दहलाने वाले आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मासूम जिंदगियों पर हुए इस कायराना हमले के खिलाफ आज भारतीय पत्रकार महासभा ने राजधानी की सड़कों पर उतरकर अपना गुस्सा और दर्द जाहिर किया।

प्रदर्शन का संदेश स्पष्ट था

"भारत की धरती पर आतंक के पैर नहीं जमने देंगे। हर शहीद का बदला लिया जाएगा। हर दर्द का हिसाब होगा।"

घाटी का नहीं, पूरे हिंदुस्तान के

राष्ट्रीय अध्यक्ष हसनैन जाफरी के नेतृत्व में निकले इस विरोध मार्च में लोगों की आंखों में गुस्से के साथ–साथ अपनों को खोने का दर्द भी साफ झलक रहा था। पाकिस्तान मुर्दाबाद के गगनभेदी नारों के बीच हर चेहरा एक ही सवाल पूछ रहा था, आखिर कब तक हमारे देश के निर्दोष नागरिक आतंकवाद का शिकार बनते रहेंगे? हसनैन जाफरी ने इस मौके पर कहा, पहलगाम में बहा खून सिर्फ दिल का खून है। हर शहीद की चीख, हर घायल की आह, हमसे इंसाफ मांग रही है। अब वक्त आ गया है कि आतंक के खिलाफ निर्णायक युद्ध छेड़ा जाए। प्रदर्शन में शामिल पत्रकारों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने कैंडल मार्च निकालकर उन मासूमों को श्रद्धांजलि भी दी, जो इस नृशंस हमले का शिकार बने। कई बुजुर्गों और युवाओं की आंखें नम थीं, लेकिन इरादे चट्टान की तरह मजबूत।

अरविन्द कुमार पाण्डेय भारतीय रेलवे कबड्डी टीम के पर्यवेक्षक नियुक्त

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निरन्तर अपनी छटा बिखेर रहे हैं। इसी क्रम में, 02 से 04 मई, 2025 तक अमरावती, महाराष्ट्र में आयोजित 30वीं सीनियर फेडरेशन कप (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप के लिये पूर्वोत्तर रेलवे कबड्डी टीम के कोच अरविन्द कुमार पाण्डेय को भारतीय रेलवे कबड्डी टीम का पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त इस चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे कबड्डी टीम के 03 खिलाड़ी सुनील कुमार, प्रवेश एवं अनिल कुमार भारतीय रेलवे कबड्डी टीम से प्रतिभाग करेंगे तथा पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी नितिन पवार, उत्तर प्रदेश की टीम से भाग लेंगे। अरविन्द कुमार पाण्डेय तथा खिलाड़ियों के चयन पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सौम्या माथुर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे दिनेश कुमार सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अमय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह, कबड्डी/सचिव ओंकार सिंह तथा सहायक क्रीड़ा अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

वक्फ सुधार कानून देश के उन पिछड़े,दबे, कुचले मुसलमानो का हक दिलाने के लिए है:डाक्टर रमापति राम त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। वक्फ सुधार कानून देश के उन पिछड़े,दबे,कुचले मुसलमानों का हक दिलाने के लिए है जो वर्षों से हकदार थे लेकिन मुट्ठी भर अमीर वक्फ की संपत्तियों पर कुंडली मारकर बैठे हुए हैं वे नहीं चाहते हैं कि देश के गरीब मुसलमान आगे बढ़ें। इसलिए हिन्दू मुस्लिम तकरार के लिए भ्रम पैदा कर रहे हैं।कांग्रेस ने देश को अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक की राजनीति करते हुए देश में तुष्टिकरण और विभाजनकारी नीति पर काम करते हुए सत्ता सुख के लिए सिर्फ देश के संसाधनों को ही नहीं लूटा बल्कि देश की जनता के साथ भी छल किया है। यह बातें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा यह रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण अभियान जिला कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों से पास हो गया है। अब वक्फ बिल को लेकर विपक्ष भ्रांतियां फैला रहा है। विपक्ष के झूठ और भ्रमजाल को दूर करने के लिए वक्फ सुधार जनजागरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इसमें हमको बताना है कि किस तरह पूर्व में वक्फ द्वारा पसमांदा मुसलमानों, पिछड़े वर्ग के साथ हिन्दू, सिख, ईसाई समाज के धार्मिक स्थलों, जमीनों पर अवैध कब्जा था। विधेयक से बौखलाकर विपक्ष वक्फ जमीनों पर कब्जा बनाये रखने के लिये तरह–तरह के हथकंडे अपना रहा है। सपा और कांग्रेस के घिनौने .रूप को उजागर करने एवं अल्पसंख्यकों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए गांव गांव वक्फ सुधार जन जागरण अभियान चलाना है। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने वक्फ सुधार कानून के विशेषताओं का बखान किया। स्वागत अभियान संयोजक डॉ डीएन कुशवाहा और संचालन अभियान सह संयोजक धनन्जय तिवारी द्वितीय ने किया। कार्यशाला को अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष शाही फैजान खान, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय, हाटा विधायक मोहन वर्मा, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड़ ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर अनवारुल शेख, आलमगीर खान, शमशेर अली, जावेद अख्तर, मुमताज आलम,अकमल हुसैन,कैश खान, इब्राहिम अंसारी, नासिर लारी, आमिर सिद्दीकी, गुलफाम आदि उपस्थित थे।

सम्मान पाकर मेधावी छात्र–छात्राओं के खिले चेहरे

गोरखपुर। एसपी साउथ जितेंद्र कुमार व मत्स्य जीवी सहकारी समिति के चेयरमैन वीरू साहनी ने गोरखपुर के चारपानी बुजुर्ग निषाद धाम मंदिर पर हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्रों को मेडल व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। आपको बता दे कि चारपानी बुजुर्ग गांव में मां भवानी सेवा समिति द्वारा गरीबों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। जिसका पूरा खर्च निर्देशन सन ऑफ चरापानी के नाम से मशहूर दिनेश निषाद के द्वारा किया जाता है। इंटरमीडिएट में गोरखपुर जनपद के सेकंड टॉपर आलोक निषाद जिनका नंबर 95 पॉइंट है इनको मत्स्य जीवी सहकारी संघ के अध्यक्ष वीरू साहनी ने गोल्ड मेडल पहनकर सम्मानित किया। पुरस्कृत होने वाले छात्रों का नाम इंटरमीडिएट में दिव्यांश कुमार 90 दिव्या निषाद 89.5 मदन कुमार 82 सौरभ कुमार 87 साक्षी गुप्ता 78... हाई स्कूल में श्रुति निषाद 79 लवली आर्य78 खुशबू आर्य 76 कृष्णा 78 वैष्णवी निषाद 75 अंकिता पाल 75 अभिनव कुमार 75 विवेक कनौजिया 75 तमन्ना आर्य 71 अनिकेत कुमार 71 शिवानंद पाल 70 70 रितेश कुमार 57 साहिल कुमार 65। वहीं इस अवसर पर एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने कहा कि दिनेश निषाद के द्वारा निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करवाने का काम बहुत ही सराहनीय है। आलोक निषाद ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है जो कि बहुत ही सराहनीय है। यही बच्चे आगे चलकर आईएस,पीसीएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे। चेयरमैन वीरू साहनी ने कहा कि आज बच्चों को सम्मानित करके बहुत गौरव की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी चंदन निषाद,अध्यापक सुमन निषाद,राकेश निषाद,रत्नेश निषाद,सोनी निषाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सामुदायिक शौचालय में पसरी गंदगी,खुले में जाने को मजबूर ग्रामीण किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर विकास खंड हर्रैया सतघरवा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत मदारगढ़ गांव मे स्थित सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सामुदायिक शौचालय महिला काम्प्लेक्स शुलभ शौचालय जो विगत वर्षों मे बना था ग्रामीणों ने इसका उपयोग कुछ महीनों तक किया।उसके बाद सफाई नहीं होने से गंदगी से भर गया।और धीरे–धीरे लाखों की लागत से बना शौचालय टूट कर जर्जर हो गया।अब ऐसे मे ग्रामीणों का सवाल उठना लाजिम है।स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपए की लागत से बनाए गए सामुदायिक शौचालय भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया।साफ सफाई के नाम पर हर महीने मिलने वाला पैसा कहां गया।जिससे सफाई नहीं होने से शौचालय जर्जर हो गया और बेकार पड़े हैं।और ग्रामीण महिलाएं पुरुष खुले में शौच करने पर मजबूर हो गए।शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं रहने के चलते गंदगी से जाम हो गया है और बदबू देता है।ग्रामीण राम मिलन रामनरेश,लवकुश राजेंद्र वर्मा, अनोखी,पाटेश्वरी प्रसाद, नंद किशोर, रामराजी, पुजारी,नंदरानी, विनोद कुमार,आदि ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए बताया कि शौचालय में गंदगी व्याप्त रहने से लोग उसका उपयोग करने से कतराते हैं।लघुशंका या शौच करने को किसी दूसरे स्थान पर जाने के लिए मजबूर होते हैं।सामुदायिक शौचालय का उपयोग करने लायक नहीं है। यहा साफ सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं है। इसमें न तो टोंटी लगी है और न ही पानी की व्यवस्था है। यहा गंदगी का अंबार लगा हुआ है।बाबू राम सेवक ने बताया कि शौचालय बना दिया गया है। परंतु पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। घटिया सीट लगाए जाने के कारण टूट गई है। शौचालय के दरवाजे भी टूट कर गिर गए है जिसके चलते लोग उसका उपयोग नहीं करते हैं और न ही इसका कोई विकल्प है।राहुल दिवस का कहना है कि सामुदायिक शौचालय के निर्माण में अधिकारी एवं संवेदक द्वारा अनियमितता बरती गई है।इस संबंध मे खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार आर्य ने बताया कि संबंधित लोगों को नोटिस दी गई है।

सीमावर्ती क्षेत्र को मूलभूत सुविधाओं से किया जायेगा विकसित : मुख्य विकास अधिकारी

केन्द्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज़ योजना भारत नेपाल सीमा पर लागू, 300 करोड़ से अधिक होंगे खर्च।

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शिवपति इन्टर कॉलेज शोहरतगढ़ के लाल तेजेंद्र प्रताप ऑडिटोरियम में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा सन 2023 में लॉन्च किया गया था और पहले चरण में भारत–चीन सीमा पर स्थित गांव के विकास के लिए किया गया था, अब 2025 में यह द्वितीय चरण का कार्यक्रम भारत नेपाल सीमा के लिए किया जाना है। इस योजना के तहत लगभग 300 करोड़ से अधिक रुपयों से सीमा से सटे गांवों के विकास में खर्च किये जायेंगे। सीमावर्ती क्षेत्रों को वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में विकसित किया जायेगा। इन गांवों में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, यातायात, रोजगार आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने उक्त बातें शिवपति इन्टर कालेज शोहरतगढ़ के सभागार में एनसीसी 46 बटालियन की ओर से आयोजित कैडेट्स जागरूकता कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से संचालित कार्यक्रम

में सीमावर्ती क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य शुरू हो गया है। वहीं एसएसबी निरीक्षक राजेश मीना ने कहा कि एनसीसी के कैडेट्स को अनुशासन व आपातकाल परिस्थितियों से निपटने व शस्त्र चलाने की शिक्षा दी जाती है। एनसीसी के जिला नोडल अफसर कैप्टन हेमन्तराज उपाध्याय ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स व अन्य विद्यार्थियों को समाज के प्रति जागरूक नागरिक बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे वह बेहतर जीवन स्थितियां और पर्याप्त आजीविका के अवसर पैदा कर सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। सीमा पार अपराध को नियन्त्रित करना और सीमावर्ती आबादी को राष्ट्र के साथ आत्मसात कर उन्हें सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान के रूप में विकसित करना है। प्रधानाचार्य विक्रम प्रसाद यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो0 राम विलास यादव, फर्स्ट अफसर बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी, सूबेदार महेन्द्र सिंह, हवलदार विजय, मुख्य आरक्षी नीरज कुमार, राम प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

गांधी आदर्श विद्यालय इन्टर कॉलेज बढ़नी में मेधावी छात्रों का हुआ भव्य सम्मान समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी के गांधी आदर्श विद्यालय इन्टर कॉलेज में यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं का सम्मान समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान यदि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो नगर पंचायत बच्चों की हर सम्भव मदद करेगी। वहीं विद्यालय के प्रबन्धक कुणाल शाह व प्रधानाचार्य विजय कुमार वर्मा ने हाईस्कूल व इन्टरमीडिएट के टॉपर्स को फूलमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। हाईस्कूल में प्रथम स्थान पर गायत्री (92.33 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पर प्रिन्स कुमार (90.16 प्रतिशत) व तृतीय स्थान पर अफान खान (89.66 प्रतिशत) रहे। वहीं इन्टरमीडिएट में प्रथम स्थान अनुष्का पाण्डेय (84.8 प्रतिशत), द्वितीय स्थान पूनम

यादव (81.6 प्रतिशत) और तृतीय स्थान अशोक यादव (80. 4 प्रतिशत) ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार वर्मा ने कहा "छात्रों की मेहनत, लगन और अनुशासन का ही परिणाम है कि आज विद्यालय का नाम रोशन हुआ है। हमारा प्रयास हमेशा से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का रहा है। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी न केवल परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करें बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें।" उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि वे बच्चों के शैक्षणिक विकास में सहयोग करते रहें। सम्मान समारोह में वीरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, जय प्रकाश, श्रीकान्त राय, अनिल कुमार यादव, गुलाबचन्द, जुगुल किशोर, प्रवीण श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, सत्य प्रकाश, रश्मि सिंह, गरिमा चौधरी, रवि अग्रहरि, शम्भूनाथ गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विद्यालय प्रबन्धन के इस प्रेरणादायी आयोजन की सराहना की।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली 26 वर्षीय युवक की लाश

दैनिक बुद्ध का संदेश–सुषमा मिश्रा

सिद्धार्थनगर। संदिग्ध परिस्थितियों में 26 वर्षीय युवक की लाश मिलने से सनसनी मच गई। आप को बता दें की मृतक युवक का नाम रंजीत चौधरी पुत्र राजकुमार चौधरी जो कोटेदार भी है। 15 अप्रैल को परिजनों ने थाने में दर्ज कराया थी गुमशुदी। 14 अप्रैल से घर से गायब हुआ था युवक,15 दिन बाद घर के बगल गड्ढे में मिली लाश। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुटी। शिवनगर डिड़ई थाना क्षेत्र के नचनी गांव की घटना।

नोटरी पब्लिक नियुक्त करने पर अध्यक्ष ने दी बधाई

चौरी चौरा गोरखपुर: सुधीर पाण्डेय एडवोकेट को केंद्र सरकार द्वारा नोटरी पब्लिक नियुक्त करने पर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आर पी यादव ने बधाई दी है। श्री यादव ने कहा कि सिर्फ एक नोटरी पब्लिक होने के नाते तहसील चौरी चौरा के अधिवक्ताओं और वादकारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। एडवोकेट सुधीर पाण्डेय के नोटरी पब्लिक हो जाने पर इस समस्या से यहां के अधिवक्ताओं और वादकारियों को काफी सहूलियत होगी। तहसील बार एसोसिएशन के मंत्री रामायण यादव ने श्री पाण्डेय को बधाई देते हुए कहा कि श्री पाण्डेय के सरल व्यक्तित्व की वजह से निःसंदेह यहां के अधिवक्ता काफी लाभान्वित होंगे।

मदरसा अरबिया अहले सुन्नत अशरफुल उलूम खीरीडीहा मे इस्लाहे मोआसरा कांफ्रेंस का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन सिद्धार्थनगर। लोटन क्षेत्र के मदरसा अरबिया अहले सुन्नत अशरफुल उलूम खीरीडीहा ने सोमवार की शाम क्षेत्र वासियों के सहयोग से इस्लाहे मोआसरा कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत हाफीज व कारी सैयद शेर अली बेलसड़ ने कुरान मजीद की आयात पढ़ कर कांफ्रेंस की शुरुआत किया। जलसे के मुख्य अतिथि मुफ्ती शमसुद्दीन लकराना राजस्थान,मुफ्ती अलाउद्दीन सन्त कबीर नगर,सैयद कमरुल इस्लाम फतेहपुर के रहे। मुफ्ती शमसुद्दीन लकराना ने अपने सम्बोधन में कहा की मदरसे को हाई टेक करने के लिए सरकार के साथ काम करो ताकी प्रधानमंत्री का

सपना पुरा हो सके प्रधानमंत्री जी ने आप के मदरसे को आधुनिक बने के लिए मदरसों में आधुनिकीकरण करने के लिए ज्ञान कर रहे है और एक हाथ में कम्प्यूटर और एक हाथ में कुरान देखने के लिए कह रहे है आप लोग अपने बच्चों को शिक्षा जरुर हासिल कराये ताकी डाक्टर और इंजीनियर बने पहले शिक्षा जरुरी है तभी यह सब सम्भव है और उन्होंने कहा अपने बच्चों की शिम्पल शादी करने की आदत डालें सभी उलमा मिल कर अपने क्षेत्र में दहेज लेने और दहेज देने पर पाबन्दी लगाओ अपने बेटीओ को दहेज के बजाय हिस्सा दो ताकी दीन और दुनिया दो बने शायरे इस्लाम अरशाद इकबाल शिवान व कारी जिया फैजी ने पढ़ी और लोगों की वाह वाही बटोरी जिसकी अध्यक्षता जमा मस्जिद बेलसड़ के इमाम मौलाना मेहरूद्दीन ने किया। जल्से का संचालन मौलाना मोहम्मद हारून के द्वारा किया गया। इस दौरान मौलाना सफात अहमद, मौलाना इरशाद, मुफ्ती अब्दुल हकीम, मौलाना जमालुद्दीन,मौलाना शहीद रजा, मौलाना मोहम्मद रजा मौलाना अशफाक, मौलाना दानिश रजा गोरखपुरी, मौलाना इनामुद्दीन, प्रधानाचार्य हाफिज अहमद अली अशरफुल उलूम खीरीडीहा,मौलाना व मास्टर शकील अहमद आदि मौजूद रहे

अक्षय तृतीया : भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं भगवान परशुराम: पंडित चंद्रप्रकाश मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में परशुराम जी का प्राकट्य अक्षय तृतीया

के अवसर पर हुआ था इनकी शक्ति अक्षय थी। आठ चिरंजीवियों में होने के कारण वे अमर हैं।सृष्टि के अंत तक वे धरती पर विराजमान रहेंगे।यह जानकारी पूर्व ब्लाक प्रमुख मन्यापुर पंडित चंद्रप्रकाश मिश्र ने क्षेत्र के ग्राम पड़िया में स्थापित भगवान परशुराम के मंदिर में आयोजित परशुराम जी की जयंती के अवसर पर दिया है।उन्होंने कहा भगवान परशुराम के जीवन वृत पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान परशुराम ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र हैं।ये भगवान शिव के अनन्य भक्त और शिष्य भी हैं।इनकी भक्ति और योग्यता से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने इन्हें अपना परशु प्रदान किया था।हमेशा परशु धारण करने के कारण ही ये परशुराम के नाम से विख्यात हैं।अक्षय तृतीया के दिन इनका प्राकट्य होने के कारण इनकी शक्ति अक्षय है।आठ चिरंजीवियों में इनकी गढ़ना होने से ये अमर भी हैं।आज भी धरती पर विचरण कर रहे हैं।सीता स्वयंबर में भगवान राम और परशुराम जी की भेंट हुई।वहीं पर भगवान राम ने परशुराम जी को सुदर्शन चक्र को देकर कहा कि आप इसे संभलकर रखें।मेरे अगले अवतार में आप मुझे इसे लौटाइयेगा। तब तक इसे अपने पास रखें। भगवान श्री कृष्ण को परशुराम जी ने सुदर्शन चक्र गुरु सांदीपनि के आश्रम में वापस दिया था।समाज के अन्य लोगों ने भी परशुराम जी के बारे में जानकारी दिया। इस कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश मिश्रा, कुंवर मिश्र, राम मोर तिवारी, बाबा राम लौटन गिरी, बाबा रामभन पाठक पुजारी हनुमान मंदिर, हरिराम बाबा, उमाकांत बाबा, कृष्ण बिहारी मिश्रा, बलराम मिश्रा, रामकुमार, राम कुबेर, देवनारायण मिश्रा सहित तमाम ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

सांसद रामजी लाल पर हुए हमले पर भड़के सपाई, दिया धरना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अलीगढ़ में सांसद रामजी लाल सुमन पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं के हमला के विरोध में मंगलवार को समाजवादी पार्टी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष राम सेवक लोधी के नेतृत्व में सपाईयों ने पैदल मार्च कर जमकर

नारे–बाजी भी किया। कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर धरने पर बैठ गये। उन्होंने करणी सेना पर कार्रवाई किए जाने व दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही के जाने के लिए राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा धरने की अगुवाई करते हुए सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में देश की सीमा व सांसद जब असुरक्षित है। ऐसे में देश के आम जनता की सुरक्षा कैसे हो पाएगी। पूरे प्रदेश में हत्या, दुष्कर्म, डकैती घटनाओं की बाढ़ आ गयी है। जिसे रोक पाने में असफल हो गयी है। करणी सेना द्वारा सरकार के इशारे पर सपाईयों व दलितों का उत्पीड़न किया जा रहा है ऐसे में दलित सांसद को बड़े पैमाने पर सुरक्षा मुहैया कराया जाए। धरना सपाई सड़क से लेकर सदन तक सरकारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए विवश होंगे। धरने को पूर्व विधायक विजय पासवान, प्रदेश सचिव राम मिलन भारती, एससी एसटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप पथरकट, विधु पासवान, विजय चौधरी, बाबूराम यादव, बृजभान यादव, शैलेंद्र शर्मा, चंद्रभान पहलवान, अखिलेश मौर्या, रामू यादव, रमजान अली, सुनील यादव पहलवान, चंद्रहास यादव, कन्हैया लोधी, जोखन चौधरी, घनश्याम जायसवाल, जलालुद्दीन खान, राकेश यादव, मनीष यादव, चंचल यादव, मनोज यादव, अशोक मांडेय, अतीक अहमद, राकेश लोधी, राजेश लोधी, चंद्रभान लोधी, निहाल आदि मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ कस्बे में स्थापित होगी रघुनाथ जायसवाल की प्रतिमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सक्रिय सदस्य रहे व शोहरतगढ़ नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ जायसवाल की शोहरतगढ़ में प्रतिमा स्थापित होगी। विधायक विनय वर्मा ने बीते दिन कहा कि रघुनाथ बाल्य काल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गये थे। वह शाखा में जाते और शोहरतगढ़ क्षेत्र में संघ के लिए कार्य कर रहे थे। विधायक ने उनकी प्रतिमा स्थापना की घोषणा करने के साथ कहा कि जनसंघ के साथ वह भाजपा से जुड़े रहे। शोहरतगढ़ के विकास में उनका योगदान एक मील के पत्थर के समान है। उनके त्याग समर्पण को देखते हुए विधायक विनय वर्मा ने शोहरतगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में उनकी प्रतिमा स्थापित कराने का निर्णय लिया है। विधायक निधि से जल्द आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में प्रतिमा स्थापित की जायेगी।

दो पक्षों में हुई मारपीट का वीडियो वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र चिल्हिया के ग्राम पंचायत सीतारामपुर में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई है। इसका वीडियो इन्टरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। संवाददाता वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। क्षेत्र के ग्राम पंचायत सीतारामपुर में आपसी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गये। इस सम्बन्ध में चिल्हिया एसओ रामदेव ने कहा कि इस मामले में गांव के सम्भ्रात लोगों के समक्ष सुलह समझौता होने की जानकारी मिली थी। किसी के तरफ से तहरीर नहीं मिली है।

सड़क पर पाकिस्तानी झण्डा चिपकाकर लोगों ने निकाली भड़ास

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आतंकवादियों द्वारा जम्मू कश्मीर

के पहलगाम में की गई घटना को लेकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। नगर पंचायत शोहरतगढ़ अन्तर्गत तिरंगा चौक गढ़ाकुल पर सभासद राजकुमार मोदनवाल के नेतृत्व में दर्जनों युवकों ने बीच सड़क में आतंकवादियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान के राष्ट्रपति व राष्ट्र चिन्ह का पोस्टर चिपकाकर मुर्दाबाद का नारा लगाया। सभासद राजकुमार मोदनवाल ने कहा कि आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर 28 पर्यटकों की हत्या किये जाने से देश के नागरिकों में गुस्सा व्याप्त है। पाकिस्तान को इसकी कीमत हर हाल में चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कुछ देशों को छोड़कर अन्य देशों का समर्थन मिलने लगा है। आतंकवाद के जड़ को नेस्तनाबूद करना बेहद जरूरी है। इस दौरान सभासद बब्लू गौड़, सभासद प्रतिनिधि प्रमोद श्रीवास्तव, कुश मोदनवाल, नन्दलाल वर्मा, पंकज गुप्ता, चौनक, बैजनाथ मोदनवाल, सुरेश आदि मौजूद रहे।

फंदे से लटका मिला 22 बर्षीय विवाहिता का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोटिया/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत कोटिया

चौकी क्षेत्र के ग्राम जोगकुण्डा में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता अपने कमरे में फंदे पर लटक कर जान दे दी है। महिला का नाम 22 वर्षीय अंजनी पत्नी मनीष कुमार है। उसका मायका ढेबरूआ थाना क्षेत्र ग्राम मुडिला में है। उसकी शादी चार वर्ष पूर्व हुई थी। डेढ़ वर्ष की एक बच्ची भी है। चौकी प्रभारी अभय कुमार सिंह ने कहा कि रविवार की शाम पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। रात को घर के सदस्य भोजन करने के बाद सोने चले गये। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

संयुक्तशिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्र द्वारा तिलक इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। प्राप्त समाचार के अनुसार बस्ती मंडल के शिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्र प्रात 8.30 बजे तिलक इंटर कॉलेज

पहुंचे उन्होंने सर्वप्रथम शिक्षक शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों के उपस्थिति के बारे में पूछा तथा उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण भी किया तत्पश्चात कक्षा कक्ष में जा कर छात्र–छात्राओं से पठन–पाठन की जानकारी प्राप्त किया तथा स्वयं एक शिक्षक के रूप में बच्चों को ज्ञानवर्धक बातें बताई तथा छात्र–छात्राओं से तमाम सवाल भी पूछे, उन्होंने विद्यालय स्तर के विभिन्न गतिविधियों का सूक्ष्मता के साथ निरीक्षण किया जिसमें वह संतुष्ट दिखे। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ धर्मेंद्र मिश्र, वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ कृष्ण कुमार, लोकपति सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव,गिरीश चौधरी, हरेंद्र बहादुर सिंह, स्टेनो विजय कुमार, मनोज कुमार सिंह, लिपिक राम नेवास आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

निस्संदेह, आतंकवाद के इस विनाशकारी आघात के बाद जम्मू-कश्मीर को संभालने में मदद करना राष्ट्रीय प्राथमिकता बननी चाहिए। निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर विधानसभा से आया यह रचनात्मक संदेश देश की एकता व अखंडता के लिये सुखद ही है। देश में आतंकवाद की इस घटना के बाद जैसे नकारात्मक प्रतिक्रिया देने की कोशिशें की जाती ...

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सार्थक पहल

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म-संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू-कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं। उन्होंने उन कयासों को खारिज किया कि त्रासदी का उपयोग राजनीतिक लाभ हेतु राज्य का दर्जा पाने के लिये किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आतंकवाद अपना भयानक रूप दिखाता रहेगा, तब तक जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में कश्मीरियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की पूरी तरह से भागीदारी जमीन पर एक स्पष्ट अंतर ला सकती है। हालांकि, बहुत कुछ केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों द्वारा संकटग्रस्त केंद्रशासित प्रदेश को दिए जाने वाले समर्थन पर निर्भर करेगा। निस्संदेह, आतंकवाद के इस विनाशकारी आघात के बाद जम्मू-कश्मीर को संभालने में मदद करना राष्ट्रीय प्राथमिकता बननी चाहिए। निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर विधानसभा से आया यह रचनात्मक संदेश देश की एकता व अखंडता के लिये सुखद ही है। देश में आतंकवाद की इस घटना के बाद जैसे नकारात्मक प्रतिक्रिया देने की कोशिशें की जाती रही हैं, उसको यह सार्थक जवाब है। जो वक्त की मांग भी थी। घाटी से संदेश आया है कि यहां लोग देश की संवेदना से उसी तरह के सरोकार रखते हैं, जैसा कि अन्य राज्यों के लोग रखते हैं। यह भी कि आतंकवाद किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं होना चाहिए। मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। जिसकी रक्षा करना हरेक नागरिक का दायित्व है।

बुद्ध की डायरी : कालानमक यानी शुद्ध ओदन

महात्मा गौतम बुद्ध जनपद सिद्धार्थ में काला नमक चावल की शुद्धता के विषय में सोच रहे हैं। बुद्ध जानते हैं कि कपिलवस्तु का तात्कालीन क्षेत्र काला नमक की खेती का केंद्र हुआ करता था। राजकुमार सिद्धार्थ के पिता ने चावल की शुद्धता वाले परिक्षेत्र को उपाधि के रूप में धारित करते थे। शुद्धोदन उनकी उपाधि के साथ उनका नाम भी है। बुद्ध कहते हैं कि आप इसे रूप में भी समझ सकते हैं, आज अयोध्या नामक पवित्र स्थान को नाम के रूप में धारण करते हैं। मसलन अयोध्या। चावल की शुद्धता ने कपिलवस्तु परिक्षेत्र को आदि काल से ही सुगंधित किया है। गौतम बुद्ध को याद है कि वे अपने प्रसाद के रूप में लोगों को काला नमक चावल ही देते थे। बुद्ध देख रहे हैं कि आज किसान अपने ही खेतों को जला रहे हैं। उन्हें यह ज्ञात ही नहीं है कि लोग अपने खेतों को जलाकर अपने लोगों को काला नमक की सोंधी खुशबू से दूर कर रहे हैं। महात्मा बुद्ध का जनपद वासियों को संदेश है कि किसान अपने खेतों को न जलाएं। वे काला नमक की खेती करें ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। महात्मा काला नमक चावल के बारे में बतलाते हैं कि कालानमक चावल उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में उगाया जाने वाला एक सुगंधित चावल है, जिसे इसकी काली भूसी (काला = काला, और प्रत्यय नमक का अर्थ नमक है) के कारण काला नमक कहा जाता है। यह अपने स्वाद, सुस्वादुता और सुगंध के लिए प्रसिद्ध है और इसे संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा दुनिया के विशेष चावल में भी शामिल किया गया है। कालानमक चावल की एक विशिष्ट सुगंध होती है जो इसे अन्य चावलों से अलग बनाती है।

इसकी पौष्टिकता के बारे में बात यह है कि इसमें प्रोटीन, आयरन, जिंक और विटामिन ए जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। यह चावल मधुमेह रोगियों के लिए भी उपयुक्त माना जाता है क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। यह चावल आमतौर पर जैविक तरीके से उगाया जाता है, बिना किसी रासायनिक उर्वरक या कीटनाशकों का उपयोग किए इसकी पैदावार होती है।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

आर्थिक-कूटनीतिक मोर्चों पर पाक से बहुत आगे भारत

भारत के कुल निर्यात में पाकिस्तान की हिस्सेदारी मात्र 0.06 फीसदी ही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत ने जितना सामान पाकिस्तान से आयात किया, उससे करीब 31 गुना ज्यादा पाकिस्तान को निर्यात किया। इस समय जब भारत की अर्थव्यवस्था छलांगें लगाकर आगे बढ़ रही है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारी मुश्किल में है और दिवालिया जैसी स्थिति में है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के ...

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय मीडिया व विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से बहुत मजबूत है। भारत द्वारा पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत सरकार के पास वैश्विक कूटनीतिक समर्थन, आर्थिक ताकत व देश की जनता का अभूतपूर्व समर्थन है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान से गोलीबारी की जा रही है।

भारत की आर्थिक मजबूती भी भारत के लिए प्रभावी हथियार बनी हुई है। वस्तुतः इस समय भारत पाक से आर्थिक ताकत के हिसाब से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। ऐसे में युद्ध की आशंका में जहां भारत युद्ध के भारी खर्चों को वहन करने की स्थिति में होगा, वहीं युद्ध होने पर पाक की कमजोर अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर उन्मुख होगी। गौरतलब है कि सरकार ने 23 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को निकालने, सार्क वीजा रियायत योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दिए वीजा निरस्त करने और सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाक युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी से पेयजल, खेती व बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। पाक के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। तभी पाक की बौखलाहट दिखाई दे रही है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत विश्व की चौथी सबसे मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश है, वहीं पाकिस्तान अब 12वें नंबर पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स विभिन्न देशों की पारंपरिक युद्ध क्षमताओं के 60 से अधिक फैक्टर्स जैसे जनसंख्या, रक्षा बजट, सैन्य संसाधन, क्रय शक्ति और सामरिक स्थिति को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। भारत के सक्रिय सैनिकों की संख्या लगभग 14.55 लाख है, जो पाकिस्तान के 6.54 लाख सक्रिय सैनिकों की तुलना में कहीं अधिक है। इसके अलावा, भारत के पास ज्यादा रिजर्व सैनिक और पैरामिलिट्री फोर्सेज भी है। थल सैन्य शक्ति के अलावा भारत की वायु और जल सैन्य शक्ति भी पाकिस्तान से बहुत अधिक है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) के मुताबिक जहां भारत के पास 180 परमाणु हथियार हैं वहीं पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। लेकिन भारत के परमाणु हथियार न्यूक्लियर डोमेन में पाकिस्तान से बहुत आगे हैं। इतना ही नहीं भारत न्यूक्लियर ट्रायड यानी जल, थल और आकाश तीनों में परमाणु हथियार दागने की क्षमता रखता है। वहीं भारत की आर्थिकी पाकिस्तान से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दोनों देशों के बजट को देखें तो पाते हैं कि भारत का बजट पाकिस्तान के बजट से करीब 11 गुना बड़ा है। मौजूदा वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट में भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों के लिए 77.4 अरब डॉलर का आवंटन किया है, वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान का रक्षा बजट लगभग 7.6 अरब डॉलर है। इस अंतर से साफ पता चलता है कि भारत का सैन्य बजट पाकिस्तान से लगभग 10 गुना अधिक है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.3 फीसदी और पाकिस्तान की विकास दर महज 2.6 फीसदी रह सकती है। भारत की जीडीपी इस समय करीब 4000 अरब डॉलर की है, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी 400 अरब डॉलर से भी कम है। प्रति व्यक्ति आय में भी भारत बहुत आगे है। 2025 के अनुमानों के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,880 डॉलर है, जबकि पाकिस्तान की केवल 1,590 डॉलर। भारत की तेजी से चमकती आर्थिक छवि के कारण भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, वहीं पाकिस्तान की नकारात्मक छवि की वजह से पाकिस्तान में विदेशी निवेश लगातार घटते जा रहे हैं। यदि हम निर्यात की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत ने वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 437 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात किया है। जबकि पाकिस्तान का वस्तु निर्यात इसका दसवां भाग भी नहीं है। भारत के कुल निर्यात में पाकिस्तान की हिस्सेदारी मात्र 0.06 फीसदी ही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत ने जितना सामान पाकिस्तान से आयात किया, उससे करीब 31 गुना ज्यादा पाकिस्तान को निर्यात किया। इस समय जब भारत की अर्थव्यवस्था छलांगें लगाकर आगे बढ़ रही है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारी मुश्किल में है और दिवालिया जैसी स्थिति में है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के ऐसे प्रभावी आधारों पर भारत युद्ध की आर्थिक लागत का सामना करने में पाकिस्तान की तुलना में अधिक सक्षम है। ऐसे में दो-तीन सप्ताह की जंग में पाकिस्तान घुटने टेक सकता है। लेखक अर्थशास्त्री हैं।

खुफिया तंत्र की मजबूती से थमेंगे आतंकी हमले

खुफिया एजेंसियों में काम कर चुके विशेषज्ञों ने सुधार और सुधारों पर अमल करने लिए मूल तौर-तरीकों की पहचान कर रखी है। इसके लिए योग्यता आधारित खुली भर्ती और बेहतर प्रशिक्षण, तथा तकनीकी खुफिया (टेकइंट) और मानव खुफिया (ह्यूमिंट) क्षमताओं के मौजूदा स्तरों को ऊपर उठाने के लिए जरूरी निरंतर धन मुहैया करवाए जाने के अलावा मौजूदा खुफिया...

सी. उदय भास्कर

एक दुर्लभ और स्वागत योग्य घटनाक्रम में केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के दो दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बंद कमरे में सर्वदलीय बैठक बुलाई। मीडिया रिपोर्टों में विचार-विमर्श के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। पहली बात, सभी राजनीतिक दल इस बात पर सहमत थे कि भारत को आतंकवाद से एकजुट होकर लड़ना चाहिए। मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसका समर्थन करेंगे।'

इस आम सहमति का सावधानी से स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि कई नेताओं ने अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित किए रखा और हमले के बाद अपने एतराज जताने से बचने की कोशिश की है। वे सांप्रदायिक व धार्मिक उन्माद को भड़काने से काफी हद तक दूर रहे, जो पिछले एक दशक से घरेलू राजनीतिक विमर्श पर हावी है। इस प्रवृत्ति ने भारत के सामाजिक सौहार्द को कमजोर किया है, जिसका आंतरिक सुरक्षा पर क्षयकारी प्रभाव पड़ता है।

इस तथ्य के मद्देनजर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में शामिल न होकर बिहार में चुनावी रैली में भाग लेना चुना, इसको लेकर विपक्षी दलों ने आलोचना की, उनकी अनुपस्थिति ने बैठक के महत्व को कम कर दिया। सवाल उठता है अगर पहलगाम हमले की वजह ने प्रधानमंत्री को सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में ही स्थगित करने को प्रेरित किया, तो क्या ऐसे में एक सूबे की चुनावी रैली को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी? सर्वदलीय बैठक में सरकार द्वारा पहलगाम मामले में हुई चूक की एक दुर्लभ स्वीकारोक्ति भी देखी गई, जिसकी वजह से यह त्रासदी घटित हुई। एक नेता, जो कि 'सत्तारूढ़ गठबंधन' का बताया जा रहा है, उसने कथित तौर पर वाक्पटुता बरतते हुए कहा, 'अगर कुछ भी गलत नहीं हुआ होता, तो हम यहां क्यों बैठे होते? कहीं न कहीं चूक हुई है, जिसका हमें पता लगाना होगा।' यह जून 2020 में गलवान संघर्ष के बाद जो हुआ, उससे थोड़ा-सा अलग लेकिन सकारात्मक बदलाव है। चूंकि, कहने को, खुद-ब-खुद समीक्षा करने योग्य है। विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने बैसरन घास मैदान को सैलानियों के लिए खोलने से पहले सुरक्षा एजेंसियों को सूचित नहीं किया, जिस तक पहुंच आमतौर पर जून में अमरनाथ यात्रा तक प्रतिबंधित रहती है। देखा जाए तो यह एक अजीबोगरीब दावा है, जबकि 2019 में संयुक्त जम्मू-कश्मीर का विभाजन करने के बाद कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने में भारी निवेश किया गया है। बैठक में यह भी खुलासा हुआ कि जिस जगह पर आतंकवादियों ने हमला किया था, वहां तक पहुंचने के लिए 45 मिनट की चढ़ाई करनी पड़ती है और इस प्रकार की आपात स्थितियों को तेजी से निपटने के वास्ते कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पहले से मौजूद नहीं थी। यह देखते हुए कि कश्मीर में उच्च घनत्व वाली सुरक्षा और खुफिया ग्रिड काम करती है ये चूकें साफ तौर पर असंगत हैं। यहां तक कि ऐसे मैदान में, जो भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता हो, वहां अचानक पैदा होने वाली किसी चिकित्सा संबंधी आपात स्थिति बनने की सूरत में, एक बुनियादी पर्यटक आपातकालीन निकासी प्रोटोकॉल पहले से तैयार रखना राजकीय तैयारियों का हिस्सा होना चाहिए था। क्या यह चूकें जो निर्दोष पर्यटकों के संहार का कारण बनीं, उनकी निष्पक्ष और त्वरित तरीके से पहचान की जाएगी? लगता तो नहीं और मुझे खुशी होगी अगर मैं गलत साबित होऊं। पिछला रिकॉर्ड उत्साहजनक नहीं है। भारत विगत में भी कमजोर या अपर्याप्त खुफिया सूचनाओं के कारण गंभीर सुरक्षा झटके झेलता आया है, जिन्हें कार्रवाई योग्य न मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता रहा। अक्तूबर 1947 के बाद से, जब कश्मीर के लिए पहला युद्ध लड़ा गया था, से लेकर अक्तूबर 1962 तक (जब चीन ने भारत को हैरान किया) और 1999 की गर्मियों में करगिल की पहाड़ियां कब्जाने तक खुफिया चूक भारतीय सुरक्षा गाथा की एक बारम्बार दोहराई गई खासियत रही है। करगिल युद्ध के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने दिवंगत के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में करगिल समीक्षा समिति (केआरसी) का गठन किया था। खुफिया विभाग की कारगुजारी से संबंधित इन निष्कर्षों को याद करना जरूरी है। केआरसी रिपोर्ट में कहा गया है, 'विभिन्न स्तरों पर एजेंसियों और उनकी दी जानकारी इस्तेमाल करने वालों के बीच समन्वय या उद्देश्य-उन्मुख संपर्क के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है। इसी प्रकार, एजेंसियों को काम सौंपने, उनके प्रदर्शन की निगरानी करने और उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में उनके रिकॉर्ड की समीक्षा करने के वास्ते कोई तंत्र नहीं है। न ही एजेंसियों के समग्र कामकाज की कोई निगरानी है।' नीतियों में सुधार के लिए इस किस्म का स्पष्ट आकलन आने के एक-चौथाई सदी बाद भी, जिसे अपारदर्शी खुफिया पारिस्थितिकी तंत्र में लागू किया जाना था, इस बात के बहुत कम ठोस सबूत हैं कि समुचित कदम उठाए गए होंगे। हां, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूरक के तौर पर राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) जैसी अधिक एजेंसियां बनाई गई हैं, लेकिन चूकें फिर भी जारी रहीं। संसद पर हमला (दिसंबर, 2001), मुंबई आतंकवादी हमला (नवंबर, 2008), पुलवामा आत्मघाती बम विस्फोट (फरवरी, 2019) और अब पहलगाम संहार, इस सूची का हिस्सा है। भारतीय पुलिस सेवा द्वारा संचालित राष्ट्रीय खुफिया तंत्र की एक ब्लू-रिबन पैनल द्वारा गहन समीक्षा करवाए जाने की आवश्यकता है, जो केआरसी द्वारा अवलोकनों/सिफारिशों को लागू करे और बहु-विभागीय सुधार कर इसको नया स्वरूप दे, जैसा कि विश्वभर में किया जाता है।

सबसे युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी बल्लेबाजी देख हैरान रह गए सचिन तेंदुलकर , कह दी बड़ी बात

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद हर तरफ सिर्फ युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की चर्चा हो रही है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में जबरदस्त इतिहास रच दिया है। तूफानी बल्लेबाजी के दम पर वैभव ने आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा है। ये शतक उन्होंने 35 गेंदों में जड़ दिया। इस शानदार पारी को देखकर खुद क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर भी वैभव की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके। सचिन तेंदुलकर ने वैभव की सोच की तारीफ की है।

सचिन तेंदुलकर ने लिखा, वैभव का दृष्टिकोण निडर है। बल्ले की गति, शुरुआत में ही लेंथ को पहचानना, गेंद के पीछे एनर्जी ट्रांसफर करना शानदार पारी का नुस्खा है। गौरतलब है कि सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में 100 रन बना लिए हैं। शतक जड़ने वाले वैभव आईपीएल के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ये कारनामा सिर्फ 14 वर्ष 32 दिन की उम्र में कर दिखाया है। वैभव ने शतकीय पारी में 11 छक्के और सात चौके लगाए।

वैभव सूर्यवंशी इस उपलब्धि को हासिल ऐसे ही नहीं कर सके हैं। इसके पीछे उनकी बीते तीन चार महीनों की कड़ी मेहनत है। वैभव के शतक के दम पर और यशस्वी जायसवाल के साथ उनकी दमदार पारी को देखते हुए 210 रन का लक्ष्य राजस्थान ने 25 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया था।

जीत के बाद दिया बयान

इस मैच में जीत हासिल करने के बाद वैभव को ही मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। मैन ऑफ द मैच बनने के बाद उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। तीन पारियों में आईपीएल में मेरा पहला शतक है। मैं बीते तीन चार महीनों से लगातार प्रैक्टिस कर रहा था जिसका फल अब मिल गया है। मैं मैदान पर नहीं बल्कि गेंद पर ज्यादा फोकस रखता हूं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी आया उछाल, Sensex-Nifty में तेजी

एशियाई शेयर बाजार में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है। इसी बीच भारतीय स्टॉक मार्केट में कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन भी तेजी देखने को मिली है। बाजार खुलने के साथ ही सुबह 9.20 मिनट पर सेंसेक्स 300 अंक ऊपर उठा है। इससे पहले निफ्टी में भी बढ़ोतरी देखने को मिली थी। सोमवार को भी सेंसेक्स 1005.88 अंक ऊपर उठा था। इसमें 1.27 फीसदी की बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स इस दौरान 80,218.37 पर बंद हुआ है। वहीं निफ्टी 50 में तेजी देखने को मिली है। निफ्टी 50 भी 289 अंक बढ़ कर 1.20 फीसदी ऊपर चढ़ा है। निफ्टी 50 भी 24,328.50 पर बंद हुआ है। सेंसेक्स 296.24 अंक ऊपर चढ़ा है और 80,514.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट देखी गई है। इसके बाद निफ्टी 24,422.25 के स्तर पर पहुंच गया है। एशियाई बाजार में भी शेयर मार्केट मिला जुला कारोबार कर रहा है। वहीं एक दिन पहले भी अमेरिका के शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिली है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड और बजाज फाइनेंस के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की 225, और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहे। चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.33 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,474.10 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सही ट्रैक पर है भारतीय अर्थव्यवस्था, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी खास जानकारी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच हर स्तर पर तनाव की स्थिति बढ़ी है। तनाव के बीच ही भारत और पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और अर्थव्यवस्था को लेकर चर्चाएं जोरों पर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से लेकर विश्व बैंक से भी पाकिस्तान को करारा तमाचा पड़ा है। कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था पाकिस्तान के झांसे में नहीं आ रही है।

इन संस्थाओं द्वारा नकारे जाने के बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में गिरावट की आशंका बनी हुई है। दूसरी तरफ भारत की जीडीपी ग्रोथ में भी कटौती हुई है। सरकार का कहना है कि उथल पुथल होने के बाद भी भारती अर्थव्यवस्था सही ट्रैक पर जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बताया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026 में कैसी रहने वाली है।

6.5% की रफ्तार से दौड़ेगी इकोनॉमी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रोथ के अनुमान को संशोधित किया है। निर्मला का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार ठीक रहेगी। बीते सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा व वित्तीय समिति को ये जानकारी दी गई थी कि उथल पुथलके बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी बढ़ सकती है।

सरकार को भरोसा

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो निर्मला सीतारमण वाशिंगटन में आईएमएफ की एडवाईजरी जारी होने पर एक लिखित बयान दे चुकी हैं। इसमें उन्होंने कहा कि हम आगे देखें तो समझ आता है कि सभी तरह के उतार चढ़ाव व अनिश्चितता के बाद भी भारत की विकास दर स्थिर रहेगी। इसके पीछे मजबूत खपत निवेश को मुख्य कारण बताया गया है। वहीं बाहरी मोर्चे पर भी भारतीय सेवाओं के निर्यात में मजबूती बनी रह सकती है।

वित्त मंत्री के मुताबिक केंद्रीय बजट में टैक्स रिलीफ समेत कई कदम उठाए गए हैं। इसका असर निजी खपत में बढ़ावा होने पर दिखेगा। निवेश में होने वाली बढ़ोतरी के कारण अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिलेगी। उनका कहना है कि देश में निवेश पहले से ही तेजी से हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी भारत का पूरा फोकस है, जिससे तेज रफ्तार से विकास होने में मदद मिलेगी।

वहीं महंगाई को लेकर भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में महंगाई दर कच्चे तेल की कीमतों के कारण वर्ष 2026 में लगभग चार फिसदी पर स्थिर रहेगी। ये जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तब दी थी जब वो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण अमेरिका यात्रा को बीच में छोड़ आई थी।

पड़ोसी देश होने के नाते...भारत-पाक तनाव के बीच चीन के बयान ने मचाया तहलका

भारत पाकिस्तान के बीच टेंशन वाले माहौल के बीच चीन का बड़ा बयान सामने आया है। चीन ने आतंकी हमले की निंदा की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बयान जारी करते हुए कहा है कि चीन ने भारत पाकिस्तान से संयम की अपील की है। पड़ोसी देश होने के नाते दोनों देश संयम बरतेंगे। चीन ने संवाद से मसले को सुलझाने पर जोर दिया। इसके साथ ही चीन ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता को संयुक्त तौर से बनाए रखा जाए। 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और यह 2000 के बाद से ये सबसे घातक सशस्त्र हमलों में से एक था। चीन ने अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान को उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा करने में सहयोग दिया। विदेश मंत्री वांग यी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद से संयम बरतने का आह्वान किया। गुओ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों का पड़ोसी होने के नाते चीन को उम्मीद है कि दोनों देश संयम बरतेंगे एवं एक ही दिशा में काम करेंगे, प्रासंगिक मतभेदों को बातचीत के माध्यम से उचित तरीके से सुलझाएंगे तथा क्षेत्र में शांति और स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण देश हैं तथा इन दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व क्षेत्र की शांति और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर है कि वांग ने अनुरोध करने पर डार के साथ फोन पर बातचीत की थी। डार ने वांग (जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं) को कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़े तनाव के बारे में जानकारी दी। वांग ने इस बातचीत के दौरान कहा कि चीन इस घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद से मुकाबला करना पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के प्रयासों के प्रति चीन के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। वांग के हवाले से इस खबर में कहा गया, एक मजबूत मित्र एवं सदाबहार रणनीतिक सहयोगी के रूप में चीन सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की जायज चिंताओं को पूरी तरह समझता है तथा पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसका समर्थन करता है।

ट्रंप ने कैसे कार्नी को जीत प्लेट में सजा कर दे दिया, अब नए पीएम उन्हें ही आखें दिखाते हुए बोल रहे- हैं तैयार हम

ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की कई बार बात की और उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर संबोधित किया था। ट्रंप के इस कदम का लिबरल नेता ने कड़ा विरोध किया था और मुखर रूप से उभरकर सामने आए। ट्रंप के इन कदमों से कनाडा की जनता में आक्रोश बढ़ गया और राष्ट्रवाद की भावना प्रबल होने के कारण लिबरल पार्टी को जीतने में मदद मिली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश के संघीय चुनाव में सोमवार को लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप देश के लोगों को तोड़ना चाहते हैं। ओटावा में विक्ट्री स्पीच के दौरान मार्क कार्नी ने कहा कि नई सरकार की जिम्मेदारियों में से एक संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चल रहे तनावों के मद्देनजर सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहना होगा। कार्नी ने कहा कि जा कि मैं महीनों से चेतावनी दे रहा हूं, अमेरिकी हमारी जमीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहते हैं। कार्नी के ऐसा बोलते ही वहां दर्शकों की तरफ से जोर जोर से हूटिंग की जाने लगी। कार्नी ने कहा कि लेकिन ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा, ऐसा कभी नहीं होगा, कभी नहीं होगा। सीबीसी के अनुसार, कनाडा की कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे ने लिबरल पार्टी को बधाई दी और कहा कि वे अगली संसद को जवाबदेह ठहराएंगे।

चुनावी विश्लेषकों के अनुसार शुरुआत में कनाडा में माहौल लिबरल पार्टी के समर्थन में नहीं दिख रहा था लेकिन ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की कई बार बात की और उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर संबोधित किया। उन्होंने कनाडा पर जवाबी शुल्क भी लगाए। ट्रंप के इन कदमों से कनाडा की जनता में आक्रोश बढ़ गया और राष्ट्रवाद की भावना प्रबल होने के कारण लिबरल पार्टी को जीतने में मदद मिली। कार्नी ने ओटावा में अपने विजय संबोधन में समर्थकों को संबोधित करते हुए अमेरिका की धमकियों के आगे कनाडा की एकता पर जोर दिया।

बस आर्मी ड्रेस प्रेस करने का टाइम चाहिए, 40 लाख रिटायर सैनिक भारत से युद्ध को तैयार, पाकिस्तानी पत्रकार का दावा

पहलगाम में हुए हमले के बाद पाकिस्तान के मीडिया में एक अजीबोगरीब कहानी चल रही है। ये कहानी वरिष्ठ पत्रकार जावेद चौधरी के दावे के बाद चर्चा में है। चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि पाकिस्तान ने तुरंत 40 लाख सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों को तैनात कर दिया है जो अपनी वर्दी पहनकर देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। चौधरी के अनुसार, इन दिग्गजों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी वर्दी प्रेस करें और अपने हथियारों में तेल डालें और कार्रवाई के लिए तैयार रहें। रातों-रात इतने बड़े पैमाने पर लामबंदी का समन्वय करने की विशुद्ध रसद गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के योग्य उपलब्धि होगी। फिर भी, यह दावा भौंहें चढ़ाता है, खासकर पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान की ओर से आधिकारिक पुष्टि की कमी को देखते हुए। ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान ने राष्ट्रीय मनोबल को बढ़ाने और संभावित खतरों को रोकने के लिए इस तरह की रणनीति अपनाई है। वर्तमान बयानबाजी देश की तैयारियों के बारे में घरेलू दर्शकों को आश्वस्त करने के लिए डिजाइन की गई लगती है, भले ही व्यावहारिकता संदिग्ध बनी रहे। इस दावे पर भारतीय रक्षा विशेषज्ञों की ओर से त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रियाएं आईं, जिन्होंने इसे दिखावा करार दिया। उन्होंने टिप्पणी की कि पाकिस्तान के विपरीत, भारत को सेवानिवृत्त कर्मियों को बुलाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसके स्थायी सशस्त्र बल किसी भी सैन्य टकराव से निपटने में सक्षम हैं। इस बीच, भारत ने पहलगाम हमले का जवाब कूटनीतिक और सुरक्षा उपायों के संयोजन से दिया है। भारत सरकार ने पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने के लिए कदम उठाए हैं, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना और यात्रा प्रतिबंध लगाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों ने आगे की घटनाओं को रोकने के लिए जम्मू और कश्मीर में अभियान तेज कर दिया है। पाकिस्तान की अदृश्य सेना की कहानी लोगों की धारणा को आकार देने में कथा की शक्ति को दर्शाती है। चूंकि यह क्षेत्र पहलगाम हमले के बाद की स्थिति से जूझ रहा है, इसलिए तथ्यों को कल्पना से अलग करना और अंतर्निहित मुद्दों को हल करने के लिए रचनात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है।

मार्क कार्नी की जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- आपके साथ काम करने को उत्सुक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कनाडा के आम चुनाव में जीत के लिए मार्क कार्नी को बधाई दी और कहा कि वह अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव पर मार्क कार्नी और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सुबह 3:15 बजे (ओटावा समय) तक मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 167 सीटों पर आगे चल रहे थे या चुने जा चुके थे, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी को 146 सीटें आगे थीं। लिबरल पार्टी के पास राष्ट्रीय वोट का लगभग 43 प्रतिशत था, लेकिन 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से पीछे रह सकते हैं। बहुमत से पीछे रहने का मतलब होगा कि कार्नी की सरकार को बजट और अन्य कानून पारित करने के लिए अन्य पार्टियों के साथ मिलकर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

मार्क कार्नी के चुनाव से ओटावा के नई दिल्ली के साथ संबंधों में सुधार आने की उम्मीद है, जो पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद नए निम्न स्तर पर पहुंच गए थे। लिबरल नेता, एक अर्थशास्त्री और बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ कनाडा दोनों के पूर्व गवर्नर ने संकेत दिया कि अगर वह सत्ता में वापस आते हैं तो वह नई दिल्ली के साथ संबंधों को फिर से स्थापित कर सकते हैं।

02 रामकृपाल मिश्र इंटर कालेज सगरा सुंदरपुर में सम्मानित होते मेधावी

लालगंज, प्रतापगढ़। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इण्टर की परीक्षा में अव्वल रहे मेधावियों का विद्यालय में समारोहपूर्वक सम्मान हुआ। शिक्षकों से सम्मान पाकर मेधावी छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे दिखे। सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज लालगंज में समारोहपूर्वक जिले की टॉप टेन सूची में स्थान बनाने वाले विद्यालय के मेधावी बच्चों के साथ ही विद्यालय में अव्वल रहे मेधावियों का सम्मान किया। हाईस्कूल यूपी बोर्ड की परीक्षा में हाईस्कूल के छात्र सत्यम यादव ने पन्चान्बे प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं इसी विद्यालय की इण्टर की छात्रा प्रगति तिवारी ने 90.4 प्रतिशत तथा अदिति ओझा ने नब्बे प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में क्रमशः चौथी व छठवीं रैंक हासिल की है। विद्यालय के निदेशक आचार्य राम अवधेश मिश्र व प्रधानाचार्य आचार्य उमाशंकर मिश्र ने जिले के टॉपरों तथा विद्यालय के टॉपर मेधावियों को सम्मानित किया। इस मौके पर उमेशपाल मिश्र, प्रमोद पाण्डेय, हर्षद शुक्ल, केशवराम ओझा, बसन्त मिश्र, जितेन्द्र सिंह, वैभव त्रिपाठी, सतीश मिश्र आदि शिक्षक मौजूद रहे। इसी क्रम में रामकृपाल मिश्र इण्टर कालेज सगरा सुन्दरपुर में भी सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल में विद्यालय में अव्वल रही छात्रा हिमानी सिंह, शिवा मिश्रा, प्रिंसी पाण्डेय, लवी पाण्डेय, सृष्टि तिवारी, सृजल यादव, नारिया बानो, हर्ष शुक्ल, आयुषी वैश्य, शाइस्तानाज तथा इण्टर में अव्वल रही छात्रा काजल सरोज, कोमल गौतम, अनामिका धुरिया, गौरव धुरिया, जय शुक्ल, तनुजा शुक्ला, पवन शर्मा, गौरव शर्मा, गीतांजलि तिवारी, अमित यादव को प्रधानाचार्य विकास मिश्र ने माल्यार्पण कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा फल अव्वल रहा। संचालन मधु द्विवेदी ने किया। इस मौके पर स्वरुप नारायण मिश्र, शिव नारायण गुप्ता, सूर्यभान वर्मा, किरन ओझा, रामसाद अहमद, संजू त्रिपाठी, दिव्या त्रिपाठी, सुचिता त्रिपाठी, पारुल शुक्ला, निशाद फातिमा, डॉली पाण्डेय, श्रद्धा सिंह, स्तुति तिवारी, नलिनी शुक्ला, अंजली मिश्रा व खुशी सिंह, सुचित्रा विश्वास आदि मौजूद रहे।

जंगल में लगाई आग, आंधी से घरों तक पहुंची

देवरिया। मिश्रौली दीक्षित गांव में शाम उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ शरारती तत्वों ने गांव के उत्तर दिशा में गेहूं के डंठल में आग लगा दी। शुरू में आग सीमित क्षेत्र में थी, लेकिन अचानक चली तेज आंधी से आग भड़क गई और लपटें लोगों के घरों तक पहुंच गईं। आग की भयावहता देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोग बाल्टियों और पाइपों से आग बुझाने में जुट गए। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सौभाग्य से किसी के घर को बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा और कोई जनहानि भी नहीं हुई। घटना की सूचना मिलने पर गांव में दहशत का माहौल बन गया।

19 सौ बिजली उपभोक्ताओं की जांच, 33 पर केस

देवरिया। रेलवे फीडर पर अधिक बिजली नुकसान होने के कारण अधीक्षण अभियंता अमित कुमार सिंह के निर्देश पर उप खंड अधिकारी चंद्रभूषण कुमार व विजिलेंस टीम और जेई शशांक चौबे की संयुक्त टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान बजाजी गली, आर्यसमाज गली, बरहज गली में जांच की। इसमें कुल 108 उपभोक्ताओं के कनेक्शन की जांच की गई। इस दौरान 17 बकायेदारों की बिजली काटी दी गई। एक उपभोक्ता ने मीटर बन मीटर में रांट (प्रतिरोधक) लगा कर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था। उनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया। अभियान में 3.45 हजार रुपये जमा कराए गए। अभियान के 1900 उपभोक्ता के परिसर की जांच की गई।

नवजात की मौत के बाद परिजनों के किया हंगामा, स्टॉफ नर्स पर लापरवाही का आरोप

देवरिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुबह एक नवजात शिशु की मौत हो गई। स्टाफ नर्सों पर लापरवाही और जबरन मरीजों को बाहर करने का आरोप लगाते हुए तीमारदारों ने हंगामा किया। सूचना पर पहुंचे सीएचसी प्रभारी डॉ. अतुल कुमार ने परिजनों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। सीएचसी प्रभारी सलेमपुर डॉ. अतुल कुमार ने बताया कि एक नवजात शिशु मौत की खबर मिली थी। शिकायत पर मैंने ड्यूटी में तैनात स्टाफ नर्स रीना कुशवाहा, माला त्रिपाठी और प्रेमलता के आरोप की जांच के लिए पत्र भेजा गया है। मामला गंभीर है। इसकी जांच जिला स्तरीय टीम गठित कराकर की जाए।

रोडवेज के बेड़े से बाहर होंगी 13 पुरानी बसें

देवरिया। रोडवेज अपनी 13 पुरानी बसों को बेड़े से हटाने की तैयारी में जुट गया है। इस माह के अंत तक इन्हें बाहर कर दिया जाएगा। यह बसें अपनी समय सीमा पूरी कर चुकी हैं। इसर बेड़े में चार नई बसें शामिल भी की गई हैं। रोडवेज में आगामी माह में छह और नई बसें आने की उम्मीद है। नई बसों के आने के साथ ही पुरानी बसों को बेड़े से हटाने की भी तैयारी से जिम्मेदार जुट गए हैं। वर्तमान में परिवहन निगम के पास कुल 84 बसें हैं। मार्च में दो व अप्रैल माह में भी दो और बसें बेड़े में जुड़ी हैं। नई बसों के जुड़ने के साथ ही ऐसी बसें जो अपनी समय सीमा पूरा कर चुकी हैं। प्रभारी क्षेत्र प्रबंधक राकेश पति त्रिपाठी ने बताया कि इस माह के अंत तक तेरा पुरानी बसों को बेड़े से हटा दिया जाएगा। नई बसों के आने के बाद जिन रूटों पर बसें नहीं हैं, वहां उन्हें लगाया जाएगा। इससे यात्रियों को यात्रा करने में सहूलियत होगी।

देश विरोधी नारे लगाने पर केस दर्ज

देवरिया। पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की याद में निकाले कैंडल मार्च में अज्ञात कुछ लोगों ने देश विरोधी के नारे लगाए। इसका एक वीडियो वायरल हो गया। वीडियो को संज्ञान लेते हुए पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। संवाद न्यूज एजेंसी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। थाना क्षेत्र के विशुनपुरा बाजार में 27 अप्रैल को लोगों ने कैंडल मार्च निकाल कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी थी। इसी कैंडल मार्च में अज्ञात कुछ लोगों ने नारे लगाए। सीओ संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

दूसरे के नाम पर नौकरी कर रहा फर्जी शिक्षक गिरफ्तार

देवरिया। खामपार पुलिस ने एक फर्जी शिक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह केस दर्ज होने के बाद चार वर्षों से फरार चल रहा था। उसकी नियुक्ति भाटपाररानी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बिरमापट्टी में हुई थी। पुलिस के कार्रवाई के बाद अन्य फर्जी शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। लार थाना क्षेत्र के बरडीहा परशुराम परसन टोला गांव निवासी संजय यादव उर्फ गुड्डू पुत्र धर्मदेव यादव प्राथमिक विद्यालय बिरमापट्टी भाटपार रानी में सदर कोतवाली क्षेत्र के कन्हौली खास देवरिया गांव निवासी सुरेंद्र प्रताप सिंह पुत्र मानबहादुर सिंह के नाम पर फर्जी तरीके से कूटरचित दस्तावेज के आधार पर जुलाई 2010 से जुलाई 2020 तक नौकरी की थी। शिकायत के बाद जांच की गई, जिसमें मामला सही पाए जाने पर तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी भाटपार रानी शैलेंद्र कुमार ने 20 अप्रैल 2021 को खामपार थाना में दस्तावेज में कूट रचित धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था। तभी से अभियुक्त संजय यादव उर्फ गुड्डू फरार चल रहा था। ये मामला शिक्षकों का प्रमाणपत्र मानव संपदा में फीड करते वक्त पकड़ में आया।

जेल में बंदियों के मनोरंजन का आगाज करेगा परवाज

महराजगंज। जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों की मानसिक सेहत को दुरुस्त रखने का इंतजाम किया जा रहा है। बंदी दो घंटे सुबह और दो घंटे शाम कम्युनिटी रेडियो परवाज का प्रसारण सुनेंगे। परवाज कम्युनिटी रेडियो एफ एफएम की फ्रिक्वेंसी पर कैदियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम का प्रसारण करेगा। यह बंदियों को ध्यान में रखकर ही शासन की तरफ से शुरू किया गया है। परवाज के जरिये न सिर्फ पसंदीदा गीत सुन सकेंगे बल्कि देश-दुनिया में क्या कुछ हो रहा है यह भी जान सकेंगे। महराजगंज जिला कारागार में फ्रिक्वेंसी कैचिंग के लिए एरियल एंटीना जल्द लगा दिया गया है यही दो से तीन दिन में प्रसारण सुनाने के लिए एक बड़ा डिजिटल रेडियो भी लगाया जाएगा। मई में कैदियों के लिए यह सहूलियत शुरू कर दी जाएगी। शासन की तरफ से अब अपराधियों को दंड देने की जगह सुधार लाकर कैदियों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज में भीड़ से व्यवस्था लड़खड़ाई, मरीजों को करना पड़ा इंतजार

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में भीड़ से व्यवस्था पर असर दिखा। करीब करीब तीन हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंचे। इससे व्यवस्था लड़खड़ा गई और मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। ओपीडी में बिना नंबर के अंदर जाने को लेकर शोर हुआ, जबकि मेडिसिन विभाग में पहले डॉक्टर कक्ष में जाने को लेकर धक्का-मुक्की हुई। सुरक्षा कर्मियों ने समझा कर शांत कराया। सर्वर धीमा चलने से बिलिंग काउंटर भीड़ रही, जबकि डिजिटल एक्स-रे सेंटर व दवा काउंटर पर दोपहर बाद तक लाइन लगी थी।

मेडिकल कॉलेज में मरीजों की संख्या बढ़ी है। अवकाश के बाद अस्पताल खुलने पर मरीजों की भीड़ रही। शहर से लेकर ग्रामीणांचल और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों के बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने पहुंचे थे। गर्मी की वजह से सुबह आठ बजे से रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लोग पहुंचने लगे। नौ बजे तक कतार लग गई। साढ़े दस बजे पुरुष और महिला अस्पताल के काउंटर लाइन लंबी हो गई। करीब 2100 लोगों ने पर्ची ली, जबकि करीब एक हजार से अधिक मरीज फॉलोअप में पहुंचे थे। उनके साथ तीमारदार भी थे। रजिस्ट्रेशन कराने के बाद मरीज ओपीडी में पहुंचे। सुबह 11:30 बजे मेडिसिन विभाग में लंबी कतार थी। लोग गेट पर पहुंच जा रहे थे और धक्का-मुक्की कर रहे थे, जिस पर कतार में खड़े लोग शोर करने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने लोगों को शांत कराया। डॉ. सिराजुद्दीन, डॉ. प्रांजल ने करीब साढ़े चार सौ से अधिक मरीजों का इलाज किया। हड्डी विभाग में मरीजों की भीड़ रही। इधर से गुजरने में लोगों को परेशानी हो रही थी। यहां लोग पहले डॉक्टर कक्ष में बिना नंबर के अंदर जाने पर शोर हुआ। डॉ. रजनीश, डॉ. शंभू ने करीब पांच सौ मरीजों का इलाज किया। सर्जरी में डॉ. मानवेंद्र कुमार ने 130 मरीजों का इलाज किया। चेस्ट व श्वास में भी कतार रही। डॉ. अनुराग शुक्ला ने करीब 180, दंत में डॉ. अफसाना अंसारी व डॉ. रेनु सिंह ने 70 मरीजों का इलाज किया। ईएनटी में डॉ. प्रदीप गुप्ता ने करीब 180, चर्म रोग में डॉ. अजीत पाल, डॉ. प्रकृति शुक्ला ने करीब 250 तो, नेत्र में डॉ. प्रकाश कुमार व डॉ. अदिती ने दो सौ मरीजों का इलाज किया।

डिजिटल एक्स-रे सेंटर और दवा काउंटर पर दोपहर बाद तक मरीजों की लाइन थी। जांच व दवा वितरण किया गया। सर्वर धीमा चलने से बिलिंग काउंटर पर मरीजों को इंतजार करना पड़ा, जिससे परेशानी हुई।

आंधी के बाद नगर समेत डेढ़ सौ गांवों की बिजली गुल, परेशान रहे लोग

देवरिया। क्षेत्र में देर शाम आई तेज आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। आंधी के बाद नगर समेत करीब डेढ़ सौ गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। इससे लोगों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी और दिनभर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली न रहने के कारण पानी की सप्लाई भी प्रभावित रही। गर्मी और उमस के बीच लोग बेहाल रहे। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और अन्य सेवाएं भी बाधित रहीं। भटनी विद्युत सब स्टेशन से नगर, देहात, बैकुंठपुर, बल्लुआ अफगान व भाटी बाजार फीडर को बिजली दी जाती है। देर शाम आई आंधी से क्षेत्र में कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए, जिससे हाईटेंशन तार और बिजली के पोल टूट गए। ऐसे में नगर समेत करीब डेढ़ सौ गांवों की बिजली बाधित हो गई। बिजली नहीं होने से लोगों को पानी संकट सहित विभिन्न परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। अवर अभियंता के निर्देश पर सुबह बिजली कर्मी जगह-जगह हाईटेंशन तार पर गिरे पेड़ की डालियों को काट कर हटा रहे हैं। लोगों ने बिजली विभाग से जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। जेई भटनी ने बताया कि मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। हालत ठीक होने पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी किशोर की मौत

देवरिया। सुरौली गांव के पास दोपहर में मिट्टी गिराकर गिराकर वापस जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर पर बैठा किशोर ट्रैक्टर के नीचे दब गया। राहगीरों के शोर मचाने पर वहां लोग एकत्रित हो गए। ट्रैक्टर को जेसीबी से हटाकर किशोर को बाहर निकाला गया। परिजन किशोर को तुरंत मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। वहीं चालक कूद कर बच गया। उसे भी गंभीर चोटें लगी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, सुरौली में दोपहर एक बजे के आसपास एक मिट्टी गिराने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर चालक लौट रहा था। ट्रैक्टर पर चालक के अलावा इरफान अंसारी पुत्र मुस्लिम अंसारी (17) बैठा था। ट्रैक्टर-ट्रॉली अभी देवरिया-मकड़ी मार्ग पर सुरौली गांव के पास पहुंची थी कि अनियंत्रित हो गया। चालक भी संभाल नहीं पाया और सड़क के किनारे गड्ढे में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। चालक किसी तरह कूदकर बच गया, लेकिन इरफान ट्रैक्टर और पानी-कीचड़ के बीच में दब गया। उधर से गुजर रहे राहगीरों ने शोर मचाया। वहां कई लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर सुरौली थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इरफान के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने ट्रैक्टर को हटाने का काफी प्रयास किया लेकिन ट्रैक्टर टस से मस नहीं हुआ। इसी दौरान वहां से एक जेसीबी गुजर रही थी। लोगों ने जेसीबी को रोककर ट्रैक्टर को हटवाया।

बलरामपुर पुलिस ने सनसनीखेज हत्या की घटना का खुलासा

साजन तिवारी इनामिया अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर पुलिस ने सनसनीखेज हत्या की घटना का खुलासा कर दिया आप को बता दे की टिपवा बाग बंधे के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला था, इस सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर शव के शिनाख्त का प्रयास किया गया तो शव का शिनाख्त शत्रुघ्न द्विवेदी उम्र 25 वर्ष पुत्र श्या कुमार द्विवेदी नि0 मोहल्ला खलवा कोतवाली नगर जनपद बलरामपुर के रुप में हुई थी। इस घटना के संबंध में वादी सोमणि द्विवेदी के द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना को0 नगर पर मु0अ0सं0 103/25 धारा- 103(1), 3(5) बीएनएस पंजी.त किया गया।पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा थाना को0 नगर अन्तर्गत हुयी हत्या की घटना का अनावरण व अभियुक्त की गिरतारी

हेतु टीमें गठित कर दिए गए सख्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी नम्रिता श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी नगर ज्योतिमी के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह थाना को0 नगर बलरामपुर के नेतृत्व में थाना को0 नगर पर पंजी.त मु0अ0 सं0103/25 धारा-103(1),3(5)बीएन एस से संबंधित 02 अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरतार कर जेल भेजा जा चुका है व मुख्य वांछित अभियुक्त साजन तिवारी उर्फ रघुवंश तिवारी पुत्र शिवदश मणि तिवारी नि0 टेढ़ी बाजार थाना कोतवाली नगर बलरामपुर घटना के बाद से ही फरार चल रहा था पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा फरार अभियुक्त की गिरतारी हेतु 25,000/- रु का इनाम घोषित किया गया था दिनांक 28-29 की रात्रि को पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि अभियुक्त साजन तिवारी अपने परिवार को लेने आ रहा है और उन्हें लेकर लंबे समय के लिए कहीं चला जाएगा जब वह रात को अपने परिवार को लेने आ रहा था सुआव नाले के पास बंधे पर पुलिस ने दोनों तरफ से उसकी घेराबंदी कर ली तो अपनी गाड़ी से उतर कर खेत की तरफ भागने लगा और पुलिस टीम पर फायरिंग की,पुलिस द्वारा भी जवाबी फायरिंग की गई जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लगी फअभियुक्त को गिरतार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान उ0नि0 नंदकेश तिवारी घायल हो गए मुठभेड़ में घायल अभियुक्त व उ0 नि0 नंदकेश तिवारी को प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया बाद उपचार अभियुक्त साजन तिवारी को मा0 न्यायालय रवाना किया जा रहा है गिरतार अभियुक्त शातिर अपराधी है, व इसके विरुद्ध जनपद व बाह्य जनपदों में मारपीट,हत्या का प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित लगभग 01 दर्जन अभियोग पंजी.त है,बाह्य जनपदों में पुलिस द्वारा असलहा सप्लाई करने के जुर्म में जेल भेजा गया है जिसका अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है विदित हो कि उक्त घटना में संलिप्त 2 अभियुक्तो 1.राघवेंद्र तिवारी उर्फ टट्टू पुत्र शिवदश मणि तिवारी 2. मोहित वर्मा उर्फ काका पुत्र दुखहरन वर्मा निवासीगण बलुहा थाना कोतवाली नगर बलरामपुर को दिनांक 27 अप्रैल को ही गिरतार कर जेल भेजा जा चुका है। पूछताछ विवरण- अभियुक्त साजन तिवारी उर्फ रघुवंश तिवारी ने दौरान पूछताछ में बताया गया कि दिनांक 22/23.04.2025 की रात मेरी बहन को विवेक द्विवेदी द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले गया था जिसका मुकदमा थाना को0 नगर पर दर्ज कराया था बहन को भगा ले जाने की बात से हम व हमारे भाई राघवेन्द्र तिवारी उर्फ टट्टू के अंदर बहुत रोष व्याप्त था,इसी गुस्से में हम लोग विवेक द्विवेदी को काफी खोजे लेकिन वह नहीं मिला तो उसके चचेरे भाई शत्रुघ्न द्विवेदी को टिपवा बाग में ले जाकर गोली मारकर हत्या कर दिया था।घटना के दौरान मोहित वर्मा उर्फ काका मौके पर मौजूद था और घटना में संलिप्त था। घटना करके मैं फरार हो गया था आज रात्रि में अपने परिवार को लेने आ रहा था, और लेकर परदेश भाग जाना चाह रहा था, तभी पुलिस ने मुझे पकड़ लिया। अभियुक्त के कब्जे से 1.एक अदद आल्टो कार रंग नीला 2.एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर,01 अदद जिंदा कारतूस व 01 अदद खोखा कारतूस 3. 03 अदद मोबाइल बरामद किया गया।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास के अभियुक्त को मिली 5 वर्ष की कैद, अपर सत्र न्यायाधीश ने किया दण्डित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/बहराइच। थाना पयागपुर में दिनांक 15.11.2020 को मु.अ.सं. 413/2020 धारा-308, 323, 324, 325, 504 भा.द.वि बनाम हनुमान प्रसाद चौरसिया पुत्र श्यामलाल पंजी.त किया गया जिसके तहत आज गैर इरादतन हत्या के प्रयास के अभियुक्त को न्यायालय पीठासीन अधिकारी अनिल कुमार-XII, अपर सत्र न्यायाधीश FTC-IItuin बहराइच द्वारा 05 वर्ष का कारावास व 22,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। वादी मुकदमा दिनेश कुमार पुत्र हनुमान प्रसाद द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दी गयी कि दिनांक 15.11.2020 को सुबह करीब 09.00 बजे वादी के पिता हनुमान पुत्र श्याम लाल अचानक बिना किसी कारण वादी की मां से गाली गलौच करने लगे व बच्चों को मारने पीटने लगे, वादी की मां द्वारा रोकने का प्रयास करने पर वादी के पिता ने हंसिया से वादी की मां की गर्दन के पीछे जोर से मारा जिससे वादी की मां को गहरा घाव हो गया, जिनकी हालत नाजुक है व मृत्यु भी हो सकती है। उक्त लिखित सूचना के आधार पर थाना पयागपुर में दिनांक 15.11.2020 को मु.अ.सं 413/2020 धारा- 308, 323, 324, 325, 504 भा.द.वि. बनाम हनुमान प्रसाद चौरसिया पुत्र श्यामलाल पंजी.त किया गया, जिसकी विवेचना तत्कालीन विवेचक उ0नि0 वैदराम यादव द्वारा की गयी। साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त आरोप पत्र दिनांक 06.01.2021 को अन्तर्गत धारा- 308, 323, 324, 325, 504 भा.द.वि. दाखिल किया गया जिसके आरोपों को न्यायालय द्वारा 10.03.2021 को विरचित किया गया एवं दोषसिद्धि होने पर न्यायालय/पीठासीन अधिकारी अनिल कुमार-XII, अपर सत्र न्यायाधीश FTC-द्वारा मॉनिटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) सुनील कुमार जायसवाल, कोर्ट मोहर्रिर का0 शिवनारायण प्रजापति, प्रभारी थाना पयागपुर, पैरोकार का0 जितेन्द्र यादव की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप दिनांक- 29.04.2025 को दोषसिद्ध अभियुक्त हनुमान प्रसाद चौरसिया पुत्र श्यामलाल निवासी करुवाकुआ म0 मूसगंज बाजार थाना पयागपुर जनपद बहराइच को 05 वर्ष के कारावास व 22,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। तथा विभिन्न धाराओं में धारा 323 भा.द.वि. के अन्तर्गत अपराध में 01 वर्ष का कारावास,धारा 324 भा.द.वि. के अन्तर्गत अपराध में 02 वर्ष का कारावास व 2000 रुपए का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने पर 10 दिवस का अतिरिक्त कारावास,धारा 325 भा.द.वि. के अन्तर्गत अपराध में 05 वर्ष का कारावास व 10,000 रुपए का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने पर 30 दिवस का अतिरिक्त कारावास, धारा 308 भा.द.वि. के अन्तर्गत अपराध में 05 वर्ष का कारावास व 10,000 रुपए का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने पर 30 दिवस का अतिरिक्त कारावास भी सुनाया गया।

हवन पूजन के साथ और भंडारे के साथ रुद्र महायज्ञ का हुआ समापन

यज्ञ करना एक पुनीत कार्य है: राधेश्याम सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना अंतर्गत लक्ष्मीपुर में शिव मंदिर परिसर में चला रुद्र महा यज्ञ नौवां दिन

हवन पूजन कराया गया श्री रुद्र महा यज्ञ समापन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन के साथ हो गया हवन पूजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। और कन्याओं के साथ मिलकर के हवन पूजन कराया गया श्री रुद्र महायज्ञ ग्राम लक्ष्मीपुर निबुआ रायगंज के अंतर्गत रुद्र महायज्ञ के परिसर में 9 दिनों से रुद्र महायज्ञ यज्ञ यज्ञाचार्य हरिश्चंद्रदास महाराज और मंत्रोच्चार संचालक श्या कुमार जी महाराज सोनू पांडे जी द्वारा समापन किया गया और पुरुषों के द्वारा यज्ञ हवन संपन्न हुआ जिसमें 501 कन्याओं को ग्राम लक्ष्मीपुर दुबे टोला प्रधान संघ की उपाध्यक्ष 501 कन्याओं का भोजन कराकर उन लोगों को मुद्रा देकर संपन्न कराया। और हाटा के पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह मंदिर का उद्घाटन कर राशि देकर भेंट किया। जिसमें अतिथि लोग उपस्थित रहे हाटा के पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह इलियास अंसारी जी रमाविजय सिंह जी संजय सिंह जी लक्ष्मीपुर के प्रधान संघ की उपाध्यक्ष धीरज तिवारी जी मनोज राय जी विनोद पासवान जी सोनू शुक्ला जी आयुष शुक्ला जी वकील राजभर जी रामछबीला पाण्डेय जी धीरज शर्मा जी अजीत कुमार सिंह जी छोटेलाल राजभर जी पप्पू राय जी नथुनी राजभर जी जगत चौरसिया जी राजू तिवारी जी हिरदेश यादव जी राम निवास मद्धेशिया जी ने एके सिंह यादव जी आज अतिथि लोग मौजूद रहे।

संविधान बचाओ महारैली में बहराइच के कार्यकर्ताओं ने की भागीदारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं आयोजक मण्डल के सदस्य शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने तमाम पदाधिकारियों के साथ अटल प्रेक्षागृह मैदान छपड़े वाला चौराहा बस्ती में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा आयोजित संविधान बचाओ महारैली में भागीदारी किया। साथ ही अपने जनपद बहराइच में हुए अब संगठन सृजन एवं जनान्दोलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय को प्रस्तुत किया। उक्त जानकारी देते हुए प्रशिक्षक एवं कार्यक्रम इंचार्ज विनय सिंह ने बताया कि विगत 9 अप्रैल 2025 को अहमदाबाद गुजरात में कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अधिवेशन में सामाजिक न्याय के लिए न्याय पथ पर चलने हेतु शीर्ष नेतृत्व के मौजूदगी में पारित प्रस्ताव का उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से समर्थन किया। इसके अलावा जून माह तक ब्लॉक स्तर पर संगठन सृजन करने तथा प्रत्येक जिले की तरह बहराइच जनपद से भी संविधान बचाओ रैली करने, कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर लगाने तथा ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस कमेटी का कार्यालय स्थापित करने के साथ साथ आतंकवाद के विरुद्ध लामबंद होने जैसे निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि 7 मई तक सभी ब्लॉक प्रभारियों से संगठनात्मक रिपोर्ट जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है। इस दौरान कांग्रेस नेता रवि श्रीवास्तव धर्मेन्द्र चौधरी, मुस्तकीम सलमानी सुन्दर लाल, नसीम इदरीसी, जगदीश सिंह सादात अहमद विजय पोरवाल एहसान वारिस मन्नू गिरि सहित कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन सृजन पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने की कर–करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर–करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, बैठक में जिलाधिकारी ने मानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये। उन्होंने मण्डी सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि मण्डी में लोगों को पीने हेतु पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, इसमें किसी स्तर पर शिथिलता न बरती जाये, मण्डी में आने वाले पशुओं को पीने हेतु पानी की समस्या न होने पाये, खेत–खलिहान के लाभार्थियों का भुगतान समयान्तर्गत सुनिश्चित की जाये, दुद्धी सीमा अन्तर्गत गल्ला वाहनों का रेण्डम आधार पर चेकिंग की जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत नगरीय क्षेत्रों में आवास निर्माण के प्रगति की समीक्षा की तो, प्रगति संतोषजनक नहीं पायी, जिस पर जिलाधिकारी ने पी0ओ0 डूडा को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये, जी0एस0टी0 वसूली की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने डिप्टी कमिश्नर जी0एस0टी0 को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित महीने के अनुरूप लक्ष्य वसूली के कार्य में तेजी लाया जाये, जिससे राजस्व

वसूली के प्रगति में तेजी लाया जा सके, इस कार्य में शिथिलता न बरती जाये, लक्ष्य पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाये, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पाये, इसका भी ध्यान दिया जाये जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत जिन विद्यालयों में स्मार्टफोन का वितरण किया जाना है, वे समय–सीमा के अन्दर वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में इस कार्य में शिथिलता बरतने वाले सम्बधितों के वैतन भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित कर दी जायेगी। जिला पूर्ति अधिकारी को आधार सीडिंग के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये गये, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बाजार में बिकने वाले खाद्य सामग्री की जाँच कराते रहें ताकि किसी प्रकार प्रकार की मिलावटी की स्थिति न आने पाये, इसके लिए छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लाया जायें और जो भी शासन द्वारा मानक व फार्मूला निर्धारित किया गया है, उसका अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगें। बैठक अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र,उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय प्रमोद तिवारी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

बाल विवाह व बाल श्रम के रोकथाम को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह एवं बाल श्रम रोकथाम हेतु युग शांति शिक्षण संस्थान

रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में ऑपरेशन मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया। बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, बाल यौन शोषण तथा सभी टोल फ्री नंबर 112, 1098, 181, 1090, 1076 आदि की जानकारी दी गई। उक्त अभियान में थाना मानव तस्करी रोधी से प्रभारी निरीक्षक जय सिंह, मुख्य आरक्षी धनंजय यादव, महिला आरक्षी शालिनी वैश्य, आरक्षी पंकज कुमार, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय, विद्यालय की प्रधानाचार्य संगीता श्रीवास्तव व अध्यापक, अध्यापिका एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्राधिकारी घोरावल द्वारा पुलिस लाईन में विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण व बीट आरक्षियों के बीट बुक का किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस लाईन चुर्क में क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल

पाण्डेय द्वारा मंगलवार को जनपद के समस्त विवेचको के विवेचना रजिस्टर का निरीक्षण व बीट सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध मे समस्त बीट कर्मियों के बीट बुक का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान बीट कर्मियों को बीट क्षेत्र मे नियमित रूप से भ्रमण करते हुये बीट क्षेत्र मे होने वाले अवैध कार्यो के सम्बन्ध मे अभिसूचना संकलन करने तथा अवैध शराब/मादक पदार्थो/छेड़खानी/महिला उत्पीड़न मे लिप्त अपराधियों व मनचलों/शोहदो के सम्बन्ध मे जानकारी एकत्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बीट मे प्रभावी कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निर्देशो से अवगत कराते हुये ब्रीफ किया गया।

तिरंगे की शान में कोई भी बलिदान देने को तैयार अधिवक्ता समाज: राकेश शरण मिश्र

तिरंगे की शान में देश का अधिवक्ता कोई भी बलिदान देने को हर क्षण तैयार है

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। माननीय प्रधान मंत्री जी आप जब चाहें इसके लिए अधिवक्ता समाज का आह्वान कर सकते हैं उक्त बातें संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रधान मंत्री मोदी जी को भेजे गए पत्र लिखा है। श्री मिश्र ने मोदी जी को भेजे गए पत्र में लिखा है कि आजादी की लड़ाई में भी देश को आजाद कराने में अधिवक्ताओं ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था और आज भी जरूरत पड़ने पर भारत का एक एक अधिवक्ता देश की अस्मिता और देश की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान देने को तैयार है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा है कि आपसे अनुरोध है कि आप जब चाहें अधिवक्ता समाज का

आह्वान करें और अधिवक्ताओं को हथियार चलाने की और युद्ध कौशल की ट्रेनिंग देकर भारत के दुश्मनों से दो दो हाथ करने के लिए अधिवक्ताओं को देश के सरहद पर भेज सकते हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी आप भारत के दुश्मनों को इस बार ऐसा सबक सिखाएं कि उसकी आने वाली पीढ़ियां सदियों तक इसे याद रखे और फिर कभी दुबारा भारत पर किसी भी प्रकार का हमला करने से पहले हजार बार सोचे और इसके लिए आपके साथ देश का हर अधिवक्ता हंसते हंसते देश पर बलिदान होने को तैयार है ये मैं आपको आश्वस्त करता हूं। श्री मिश्र ने प्रधान मंत्री को लिखे पत्र की प्रतिलिपि देश के माननीय गृह मंत्री अमित शाह एवम माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजा है।

माता के जागरण में झूमे भक्त, हुआ भव्य आयोजन

देवी जागरण का हुआ भव्य आयोजन, माता के भक्तिमय भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। लोकमंगल कामनाओं के लिए सोमवार की देर रात्रि समाज सेवी राजकुमार अग्रवाल द्वारा नगर के इमरती कालोनी के सामने स्थित अपने आवास पर माता के जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें जय मां गायत्री जागरण ग्रुप के सुप्रसिद्ध भजन गायक संजीव शर्मा,

सुरज गुप्ता व छोटू शुक्ला ने मंगलवार की भोर तक एक से बढ़कर एक भजनों गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस दौरान कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देवी गीत एवं झांकी प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ यजमान राजकुमार अग्रवाल पत्नी रोशनी अग्रवाल द्वारा विधि विधान के साथ पूजन अर्चन कर किया। इसके बाद मंच संचालन कर रहे सुरज गुप्ता ने गणेश वंदना के गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद गायकों ने हनुमान भजन मैं रंग लिया तन मन लाल लाल श्री राम के लिए,चलो बुलावा आया है माता रानी ने बुलाया है, आ मां आ तुझे दिल ने पुकारा एवं मां मुरादें पूरी करदे हलवा बाटूंगी जैसे भजनों का गायन कर वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। और यह सिलसिला भोर तक जारी रहा। इस दौरान कलाकारों ने हनुमान जी, राधे श्याम सहित देवी–देवताओं की झांकी प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। वहीं जागरण के अंत में मां तारा देवी की दिव्य कथा सुनाई गई जिसे सुनकर वहां उपस्थित लोग भक्ति के रस में डूब गए। इसके बाद मां भवानी की दिव्य आरती के साथ माता का जागरण संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से इष्टदेव सिंह, अजीत सिंह भंडारी, रविंद्र केसरी, सुशील पाठक, अशोक गुप्त, घनश्याम सिंघल, पवन जैन, श्रीकांत दुबे, शिशु तिवारी, सुनील श्रीवास्तव, श्याम मुरारी गुप्ता, विमल अग्रवाल, अमित, सुमित, नमित, रोहन, शानू, सिंटू, वैशाली, सीमा, नेहा, खुशबू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एएसपी मुख्यालय द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क मे परेड की ली गई सलामी, किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा

पुलिस लाईन चुर्क परेड ग्राउंड मे मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम मे उनके द्वारा यूपी0–112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों मे उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध मे जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क मे स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा एएसपी मुख्यालय को सलामी दी गयी जिसपर उनके द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया। इस दौरान क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

"2027 में भाजपा की 400 बीसी नहीं चलेगी, जनता सब जान चुकी है": अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि "2027 में भाजपा की 400 बीसी नहीं चलेगी। जनता अब सब जान चुकी है।फर्जी वोटर लिस्ट में धांधली, वोट डिलीट कराना, अधिकारियों की पोस्टिंग में भेदभाव जैसे हथकंडे अब काम नहीं आएंगे।" उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को हराने के बाद अब विधानसभा चुनाव में भी जनता बदलाव लाएगी। मंगलवार को लखनऊ में एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी प्रमुख गठबंधन की प्रमुख ताकत है और प्रदेश में गठबंधन की कमान उसी दल के पास होगी जो राज्य में मजबूत होगा। "हमारे लिए लोकतंत्र, बाबा साहब का संविधान और सामाजिक न्याय सर्वोच्च प्राथमिकता है," उन्होंने कहा। भाजपा पर फूट डालो, राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी अंग्रेजों की तरह देश को बांटने वाली राजनीति करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि "2017 से पहले जिनकी पहचान नहीं थी, वे अब कह रहे हैं कि यूपी की कोई पहचान नहीं थी। क्या देश के सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री देने वाला राज्य, सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाला राज्य पहचानविहीन हो सकता है?" पूर्व मुख्यमंत्री ने विकास के मोर्चे पर भी योगी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि लखनऊ, कानपुर, आगरा, नोएडा सहित जितने भी शहरों में मेट्रो बनी है, वे समाजवादी सरकार की देन हैं। "भाजपा सरकार ने आठ साल में लखनऊ मेट्रो को एक इंच भी आगे नहीं बढ़ाया," उन्होंने आरोप लगाया। वाराणसी और गोरखपुर की मेट्रो योजनाएं भी ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को घेरा अखिलेश यादव ने भाजपा की ओर से प्रचारित 17 एक्सप्रेस–वे की योजना को झूठा करार देते हुए कहा, "जब हमने पूछा कि 17 में से कितने बन गए तो जवाब मिला कि 6 बने हैं, 7 प्रस्तावित हैं। तो बाकी 4 एक्सप्रेस–वे सपनों में बन रहे हैं क्या?" उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने यूपी को एक भी एक्सप्रेस–वे, नया एम्स, कोई पावर प्लांट या संस्थान नहीं दिया।राज्य की कानून व्यवस्था पर भी उन्होंने गंभीर सवाल उठाए। सांसद रामजी लाल सुमन पर हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना यूपी पुलिस, प्रदेश सरकार और डीजीपी को खुली चुनौती है। उन्होंने कहा कि "पीडीए यानी पीड़ित, दलित और अल्पसंख्यकों के साथ भाजपा सरकार ने जितना अन्याय किया है, वैसा कभी नहीं हुआ।

आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता बरतने पर जिलाधिकारी ने वेतन भुगतान पर लगायी रोक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि मा0मुख्य सचिव द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में कार्यालयाध्यक्ष/नोडल आई0जी0आर0एस0 को विभिन्न पत्रों के माध्यम से एवं आईजीआरएस पोर्टल किस तरह निस्तारण किया जाय कि असन्तोषजनक फीडबैक न प्राप्त हो, के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन कर अवगत कराया गया एवं आपके आपरेटर एवं लिपिक को शिकायत प्रकोष्ठ में बुलाकर समझाया गया किन्तु जन शिकायतों (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आन लाइन जिलाधिकारी संदर्भ में राजस्व अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा शिकायतकर्ता से न तो सम्पर्क किया गया है और न ही स्थलीय सत्यापन हेतु भ्रमण किया गया है, जिसके कारण असन्तोषजनक फीडबैक प्राप्त हो रहे है। शासन स्तर पर मात्र संतुष्ट फीडबैक पर ही जनपद की रैंक निर्धारित की जाती है, जिस हेतु पोर्टल का अवलोकन किया गया, पोर्टल पर 01 अप्रैल 2025 से 25 अप्रैल 2025 तक में 900 संदर्भों में से मात्र 385 संदर्भ संतुष्ट एवं 565 संदर्भ असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुए हैं।

अधिकांश संदर्भों में न तो शिकायतकर्ता से सम्पर्क किया गया और न तो स्थलीय सत्यापन ही किया गया है, जिसके कारण असन्तोषजनक फीडबैक प्राप्त हुए है। शासन स्तर पर मात्र संतुष्ट फीडबैक पर ही जनपद की रैंक निर्धारित की जाती है, असन्तोषजनक फीडबैक केवल निर्धारित समय में निस्तारण करने एवं शिकायतकर्ता से वार्ता न करने के कारण आ रहे है, संदर्भों की सूची शिकायत प्रकोष्ठ से प्राप्त कर पुनः गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराकर आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, शासन एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के दृष्टिगत आई0जी0आर0एस0 में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता बरतने पर अधिशासी अभियन्ता, (प्रा0खं0) लो0नि0वि0 सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पिपरी राबर्ट्सगंज, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, ज्येष्ठ खान अधिकारी खान निरीक्षक सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, जलनिगम (ग्रामीण), जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र, तहसीलदार, घोरावल सदर ओबरा,दुद्धी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं बाल विकास, जिला विकास अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी, जोन चोपन बभनी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सोनभद्र एवं समस्त सहायक विकास अधिकारी (पं0) सोनभद्र, उपजिलाधिकारी, राबर्ट्सगंज घोरावल दुद्धी ओबरा सोनभद्र, प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष,राबर्ट्सगंज चोपन पन्नूगंज कोन घोरावल पिपरी,ओबरा अनपरा,विन्ढमगंज, कर्मा, बीजपुर,म्योरपुर, रायपुर, दुद्धी,बभनी का माह अप्रैल 2025 के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगायी जाती है।

सोनभद्र में दो माह चलेगी मॉर्निंग कोर्ट

संयुक्त बार एसोसिएशन के प्रस्ताव पर हाईकोर्ट के दिशा निर्देश के अनुपालन में जिला जज ने दिया आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट के दिशा निर्देश के अनुपालन में संयुक्त बार एसोसिएशन के प्रस्ताव पर जनपद न्यायाधीश रविंद्र विक्रम सिंह ने सोनभद्र में दो माह (मई और जून) माह तक के लिए मॉर्निंग कोर्ट संचालन का आदेश दिया है। इससे जहां दूर के वादकारियों को परेशानी होगी, वहीं नजदीक के वादकारियों को राहत मिलेगी। बता दें कि सोनभद्र जिला चार प्रांतों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार व झारखंड से सटा हुआ है। वहां की भौगोलिक स्थिति प्रदेश के अन्य जिलों से भिन्न है। जिसकी वजह से मई और जून माह में वहां पर भयंकर गर्मी पड़ती है। जिसके चलते इलाहाबाद हाईकोर्ट के 31 मई 2019 के दिशा निर्देश के अनुपालन में सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के संयुक्त प्रस्ताव पर जनपद न्यायाधीश रविंद्र विक्रम सिंह ने 19 अप्रैल 2025 को दो माह (मई और जून) माह में मॉर्निंग कोर्ट संचालन का आदेश पारित किया है। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू होगा। मॉर्निंग कोर्ट का संचालन प्रातः 7 बजे से दोपहर एक बजे तक होगा। इसके अलावा कार्यालय का समय प्रातः 6:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक रहेगा। वहीं मध्यावकाश सुबह 10:30 बजे से पूर्वान्ह 11 बजे तक होगा। मॉर्निंग कोर्ट के संचालन से जहां दूर के वादकारियों को परेशानी होगी, वहीं नजदीक के वादकारियों को राहत मिलेगी।

01 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा व गांजा बिक्री का 68650/–रूपया नगद के साथ अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के पर्यवेक्षण में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा 28.04.2025 को समय करीब 19.55 बजे कजरहट चौराहा कस्बा डाला थाना चोपन से अभियुक्त रवि शर्मा पुत्र शिवशंकर निवासी कोटा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 20 वर्ष को एक प्लास्टिक के झोले में 01 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा व गांजा बिक्री का 68650/– रूपया नगद के साथ गिरतार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना चोपन पर मु0अ0सं0– 144/2025 धारा– 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को रिमाण्ड हेतु पुलिस ने बताया कि न्यायालय रवाना किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. न.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

परशुराम जन्मोत्सव व्रत होता है फलदायी

प्रज्ञा पांडेय ।

आज परशुराम जन्मोत्सव है। परशुराम जन्मोत्सव का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। भगवान परशुराम का अवतार प्रदोष काल में हुआ है। परशुराम जन्मोत्सव, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले परशुराम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है, तो आइए हम आपको परशुराम जन्मोत्सव व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें परशुराम जन्मोत्सव के बारे में

पंडितों के अनुसार भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और वह भगवान शिव के परम भक्त माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल परशुराम जयंती वैशाख मास के शुक्ल पक्ष के तृतीया तिथि को मनाई जाती है। भगवान परशुराम का जन्म माता रेणुका और ऋषि जमदग्नि के घर प्रदोष काल में हुआ था उन्हें चिरंजीवी भी माना गया है। इसी दिन अक्षय तृतीया का त्योहार भी मनाया है। इस बार परशुराम जन्मोत्सव 29 अप्रैल को मनाई जाएगी।

गणेश जी को भी एकदंत परशुराम ने ही बनाया: शास्त्रों में परशुराम जन्मोत्सव के बारे में एक कथा प्रचलित है इस कथा के अनुसार परशुराम अत्यन्त क्रोधी थे। इनके क्रोध से भगवान गणेश भी नहीं बच पाये थे। परशुराम ने अपने फरसे से वार कर भगवान गणेश के एक दांत को तोड़ दिया था जिसके कारण से भगवान गणेश एकदंत कहलाए जाते हैं। मत्स्य पुराण के अनुसार इस दिन जो कुछ दान किया जाता है वह अक्षय रहता है यानी इस दिन किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता है। भगवान परशुराम का जीवन भी था खास: पंडितों के अनुसार परशुराम जन्मोत्सव का दिन खास होता है इस दिन अच्छे काम करने से शुभ फल प्राप्त होता है। एक कथा के अनुसार जब समस्त देवी-देवता असुरों के अत्याचार से परेशान होकर महादेव के पास गए थे तब शिव जी ने अपने परम भक्त परशुराम को उन असुरों का वध करने के लिए कहा जिसके पश्चात परशुराम ने बिना किसी अस्त्र शस्त्र के सभी राक्षसों को मार डाला। यह देख शिवजी अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने परशुराम को कई शस्त्र प्रदान किये जिनमें से एक फरसा भी था। उस दिन से वे राम से परशुराम बन गए। परशुराम अपने माता पिता की भक्ति में लीन थे वे अपने माता-पिता की

आज्ञा की कभी अवहेलना नहीं करते थे। एक बार उनकी माता रेणुका नदी में जल भरने के लिए गयी वहां गन्धर्वराज चित्ररथ को अप्सराओं के साथ विहार करता देख रेणुका कुछ देर तक वहीं रुक गयीं। जिसके कारण उन्हें घर वापस लौटने में देर हो गयी। इधर हवन में बहुत देरी हो चुकी थी। उनके पति जमदग्नि ने अपनी शक्तियों से उनके देर से आने का कारण जान लिया और उन्हें अपनी पत्नी पर बहुत गुस्सा आने लगा।

जब रेणुका घर पहुंची तो जमदग्नि ने अपने सभी पुत्रों को उसका वध करने के लिए कहा। किन्तु उनका एक भी पुत्र साहस नहीं कर पाया। तब क्रोधवश जमदग्नि ने अपने चार पुत्रों को मार डाला। उसके बाद पिता की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम ने अपनी माता का वध कर दिया। अपने पुत्र से प्रसन्न होकर परशुराम ने उसे वरदान मांगने को कहा। परशुराम ने बड़ी ही चतुराई से अपने भाइयों और माता को पुनः जीवित करने का वरदान मांग लिया। जिससे उन्होंने अपने पिता का भी मान रख लिया और माता को भी पुनर्जीवित कर दिया। एक और पौराणिक कथाओं में इस बात का उल्लेख मिलता है कि परशुराम ने ही गणेश जी का एक दांत तोड़ा था। इसके पीछे की कथा है कि एक बार परशुराम कैलाश शिव जी मिलने पहुंचे किंतु महादेव घोर तपस्या में लीन थे इसलिए गजानन ने उन्हें भोलेनाथ से मिलने नहीं दिया। इस बात से क्रोधित होकर परशुराम ने उन पर अपना फरसा चला दिया। क्योंकि फरसा स्वयं शंकर जी ने उन्हें दिया था इसलिए गणपति उसका वार खाली नहीं जाने देना चाहते थे। जैसे ही परशुराम ने उन पर वार किया उन्होंने उस वार को अपने दांत पर ले लिया जिसके कारण उनका एक दांत टूट गया तब से गणेश जी एकदन्त भी कहलाते हैं।

परशुराम जन्मोत्सव का शुभ मुहूर्त: हिंदू पंचांग के अनुसार, परशुराम जन्मोत्सव की तिथि 29 अप्रैल को शाम 5 बजकर 31 मिनट से 31 मिनट से शुरू होगी और तिथि का समापन 30 अप्रैल को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट समाप्त होगी।

परशुराम का जन्मोत्सव का शुभ योग: परशुराम जन्मोत्सव पर सौभाग्य का योग बन रहा है, यह योग 3बज54 मिनट तक है। इस दिन त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। अगर आप इन योगों में भगवान परशुराम की पूजा करते हैं, तो फिर देवी लक्ष्मी की आप पर कृपा बरसेगी।

परशुराम जन्मोत्सव पर ऐसे करें पूजा पंडितों के अनुसार इस दिन आप ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाएं। इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करके दिन की शुरुआत करें। फिर आप घर की साफ-सफाई करिए। अब आप नहाने वाले पानी में गंगाजल मिक्स करके स्नान करिए। अब आप सूर्य देव को जल का अर्घ्य दीजिए। फिर आप भगवान परशुराम की विधि-विधान से पूजा करिए। वहीं, इस दिन आप प्रदोष काल में भगवान परशुराम का व्रत करते हैं और उपवास भी रखते हैं तो इस व्रत का फल दोगुना हो जाएगा।

जानें परशुराम से जुड़ी मान्यता के बारे में

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सभी अवतारों के विपरीत, परशुराम जी वर्तमान में भी पृथ्वी पर ही निवास करते हैं। यही कारण है कि भगवान राम और श्री कृष्ण की तरह परशुराम की पूजा नहीं की जाती है। आपको बता दें कि दक्षिण भारत में, उडुपी के पास पवित्र स्थान पजाका में, एक परशुराम जी का मंदिर भी है। परशुराम जी को लेकर यह भी कहा जाता है कि भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि को शस्त्र विद्या प्रदान करने वाले गुरु होंगे। शास्त्रों के अनुसार परशुराम जी भगवान राम और माता सीता के विवाह में भी शामिल हुए थे।

परशुराम जन्मोत्सव के बारे में जानें विशेष बातें क्षत्रिय विरोधी छवि होने के कारण भगवान परशुराम ने सहस्त्रबाहु जैसे अधर्मी क्षत्रियों का संहार किया था। जिसके कारण कुछ समुदाय उन्हें क्रोधी योद्धा मानते हैं। यह छवि उनकी भक्ति को सीमित करती है। सन्यासी स्वरूप होने के कारण, परशुराम एक योद्धा-ऋषि थे, जिनका तप, शास्त्र और धर्म की रक्षा पर केंद्रित था। उनका कोई पारिवारिक या सामाजिक रूप नहीं था, जिसके कारण भक्तों का जुड़ाव कम रहा। क्षेत्रीय भक्ति होने के कारण जैसे उनकी पूजा मुख्य रूप से दक्षिण भारत और कुछ ब्राह्मण समुदायों में होती है। अन्य क्षेत्रों में राम-कृष्ण की भक्ति अधिक लोकप्रिय है। इसके पीछे की पौराणिक कथा यह है कि परशुराम अमर हैं और कलियुग के अंत में कल्कि अवतार को प्रशिक्षित करेंगे, इस कारण उनकी पूजा भविष्य-उन्मुख मानी जाती है।

परशुराम जन्मोत्सव का महत्व: परशुराम जन्मोत्सव धर्म, शास्त्र और शस्त्र की आराधना का महापर्व है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन व्रत करने से साहस, शक्ति और शांति प्राप्त होती है। निःसंतान दंपतियों के लिए यह व्रत संतान प्राप्ति में फलदायी माना जाता है। दान पुण्य का विशेष महत्व है जो मोक्ष और समृद्धि का मार्ग खोलता है। यह दिन भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का भी अवसर है।

परशुराम : क्षत्रियों के दमन से विश्व को मुक्ति दिलाने वाले

परशुराम राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। वे विष्णु के अवतार और शिव के परम भक्त थे। इन्हें शिव से विशेष परशु प्राप्त हुआ था। इनका नाम तो राम था, किंतु शंकर द्वारा प्रदत्त अमोघ परशु को सदैव धारण किए रहने के कारण ये परशुराम कहलाते थे। परशुराम भगवान विष्णु के दस अवतारों में से छठे अवतार थे, जो वामन एवं रामचंद्र के मध्य में गिना जाता है। जमदग्नि के पुत्र होने के कारण ये जामदग्न्य भी कहे जाते हैं। इनका जन्म अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ल तृतीया) को हुआ था। अतः इस दिन व्रत करने और उत्सव मनाने की प्रथा है। परंपरा के अनुसार इन्होंने क्षत्रियों का अनेक बार विनाश किया। क्षत्रियों के अहंकारपूर्ण दमन से विश्व को मुक्ति दिलाने के लिए इनका जन्म हुआ था। जन्म भृगु ने अपने पुत्र के विवाह के विषय में जाना तो बहुत प्रसन्न हुए तथा अपनी पुत्रवधु से वर मांगने को कहा। उनसे सत्यवती ने अपने तथा अपनी माता के लिए पुत्र जन्म की कामना की। भृगु ने उन दोनों को चरु भक्षणार्थ दिए तथा कहा कि ऋतुकाल के उपरांत स्नान करके सत्यवती गूलर के पेड़ तथा उसकी माता पीपल के पेड़ का आलिंगन करे तो दोनों को पुत्र प्राप्त होंगे। मां-बेटी के चरु खाने में उलटफेर हो गई। दिव्य दृष्टि से देखकर भृगु पुनः वहां पधारे तथा उन्होंने सत्यवती से कहा कि तुम्हारी माता का पुत्र क्षत्रिय होकर भी ब्राह्मणोचित व्यवहार करेगा तथा तुम्हारा बेटा ब्राह्मणोचित होकर भी क्षत्रियोचित आचार-विचार वाला होगा। बहुत अनुनय-विनय करने पर भृगु ने मान लिया कि सत्यवती का बेटा ब्राह्मणोचित रहेगा, किंतु पोता क्षत्रियों की तरह कार्य करने वाला होगा। सत्यवती के पुत्र जमदग्नि मुनि हुए। उन्होंने राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका से विवाह किया। रेणुका के पांच पुत्र हुए रुमण्वान, सुषेण, वसु, विश्वावसु तथा पांचवें पुत्र का नाम परशुराम था। वही क्षत्रियोचित आचार-विचार वाला पुत्र था। एक बार सद्यस्नाता रेणुका राजा चित्ररथ पर मुग्ध हो गई। उसके आश्रम पहुंचने पर मुनि को दिव्य ज्ञान से समस्त घटना ज्ञात हो गई। उन्होंने क्रोध

। के आवेश में बारी-बारी से अपने चार बेटों को मां की हत्या करने का आदेश दिया। किंतु कोई भी तैयार नहीं हुआ। जमदग्नि ने अपने चारों पुत्रों को जड़बुद्ध होने का शाप दिया। परशुराम ने तुरंत पिता की आज्ञा का पालन किया। जमदग्नि ने प्रसन्न होकर उसे वर मांगने के लिए कहा। परशुराम ने पहले वर से मां का पुनर्जीवन मांगा और फिर अपने भाइयों को क्षमा कर देने के लिए कहा। जमदग्नि ऋषि ने परशुराम से कहा कि वह अमर रहेगा। एक दिन जब परशुराम बाहर गए थे तो कार्तवीर्य अर्जुन उनकी कुटिया पर आए। युद्ध के मद में उन्होंने रेणुका का अपमान किया तथा उसके बछड़ों का हरण करके चले गए। गाय रंभाती रह गई। परशुराम को मालूम पड़ा तो क्रुद्ध होकर उन्होंने सहस्त्रबाहु हैहयराज को मार डाला। हैहयराज के पुत्र ने आश्रम पर धावा बोला तथा परशुराम की अनुपस्थिति में मुनि जमदग्नि को मार डाला। परशुराम घर पहुंचे तो बहुत दुखी हुए तथा पृथ्वी को क्षत्रियहीन करने का संकल्प किया। अतः परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी के समस्त क्षत्रियों का संहार किया। समंत पंचक क्षेत्र में पांच रुधिर के कुंड भर दिए। क्षत्रियों के रुधिर से परशुराम ने अपने पितरों का तर्पण किया। उस समय ऋचीक साक्षात प्रकट हुए तथा उन्होंने परशुराम को ऐसा कार्य करने से रोका। ऋत्विजों को दक्षिणा में पृथ्वी प्रदान की। ब्राह्मणों ने कश्यप की आज्ञा से उस वेदी को खंड-खंड करके बांट लिया, अतः वे ब्राह्मण जिन्होंने वेदी को परस्पर बांट लिया था, खाण्डवायन कहलाए।

कथा: एक बार उनकी मां जल का कलश लेकर भरने के लिए नदी पर गईं। वहां गंधर्व चित्ररथ अप्सराओं के साथ जलक्रीड़ा कर रहा था। उसे देखने में रेणुका इतनी तन्मय हो गई कि जल लाने में विलंब हो गया तथा यज्ञ का समय व्यतीत हो गया। उसकी मानसिक स्थिति समझकर जमदग्नि ने अपने पुत्रों को उसका वध करने के लिए कहा। परशुराम के अतिरिक्त कोई भी ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुआ। पिता के कहने से परशुराम ने मां का वध कर दिया। पिता के प्रसन्न होने पर उन्होंने वरदान स्वरूप उनका जीवित होना मांगा।

राम के पराक्रम की परीक्षा राम का पराक्रम सुनकर वे अयोध्या गए। दशरथ ने उनके स्वागतार्थ रामचंद्र को भेजा। उन्हें देखते ही परशुराम ने उनके पराक्रम की परीक्षा लेनी चाही। अतः उन्हें क्षत्रियसंहारक दिव्य धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए कहा। राम के ऐसा कर लेने पर उन्हें धनुष पर एक दिव्य बाण चढ़ाकर दिखाने के लिए कहा। राम ने वह बाण चढ़ाकर परशुराम के तेज पर छोड़ दिया। बाण उनके तेज को छीनकर पुनः राम के पास लौट आया। राम ने परशुराम को दिव्य दृष्टि दी, जिससे उन्होंने राम के यथार्थ स्वरूप के दर्शन किए। परशुराम एक वर्ष तक लज्जित, तेजहीन तथा अभिमानशून्य होकर तपस्या में लगे रहे। तदनंतर पितरों से प्रेरणा पाकर उन्होंने वधूसर नामक नदी के तीर्थ पर स्नान करके अपना तेज पुनः प्राप्त किया।

कार्यालय : आदर्श नगर पंचायत- शोहरतगढ़, जनपद- सिद्धार्थनगर

कबाड़/पुराने टैंकर इत्यादि की नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत शोहरतगढ़ में रखे हुए लोहे, कबाड़/पुराने टैंकर, मिनी जे०सी०बी० आदि की नीलामी दिनांक –21/05/2025 को समय 1:00 बजे दिन में कार्यालय नगर पंचायत शोहरतगढ़ पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा करायी जायेगी। लोहे, कबाड़/पुराने टैंकर, मिनी जे०सी०बी०, टैम्पो, हाथ ठेला आदि कबाड़ आदि हेतु मु0–10,000.00 (दस हजार मात्र) रूपये बोली के पूर्व जमा करना होगा। यदि किसी कारण वश दिनांक 21/05/2025, को नीलामी सम्पन्न नहीं हो पाती है तो दिनांक 23/05/2025, को समय दिन में 1:00 बजे नीलामी सम्पन्न करायी जायेगी। उक्त तिथि पर बोली सम्पन्न नहीं हो पाती है तो पुनः दिनांक 26/05/2025, समय दिन में 1:00 नीलामी करायी जायेगी। नीलामी की नियम एवं शर्तें नगर पंचायत कार्यालय कार्य दिवस में देखी व पढ़ी जा सकती है। कोई भी बोली को बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अजय कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत – शोहरतगढ़
जनपद – सिद्धार्थनगर

उमा अग्रवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत – शोहरतगढ़
जनपद – सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 33(I)/अधनपंशो0/2025–26 | दिनांक– 29 अप्रैल 2025

धर्म, शास्त्र और शस्त्र की आराधना का महापर्व है परशुराम जयंती, जानिए पूजन विधि

भगवान परशुराम को जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। बता दें कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर प्रदोष काल में भगवान परशुराम का अवतरण हुआ था।

इसलिए हर साल इस तिथि को परशुराम जयंती का पर्व मनाया जा रहा है। भगवान परशुराम जी को भगवान विष्णु का उग्र अवतार माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान परशुराम की पूजा करने से जातक को अधिक ऊर्जा प्राप्त होती है।

डेट और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक 29 अप्रैल की शाम 05:31 मिनट पर वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत होगी। फिर अगले दिन यानी की 30 अप्रैल की दोपहर 02:12 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से 29 अप्रैल 2025 को परशुराम जयंती मनाई जा रही है। क्योंकि भगवान परशुराम का जन्म प्रदोष काल में हुआ था। इसलिए संध्या काल में भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना का विधान है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और फिर सूर्य देव को जल अर्पित कर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान परशुराम की पूजा करें और उनके मंत्रों का जाप करें। भगवान परशुराम को फल और मिठाई आदि चीजों का भोग अर्पित करें। फिर वही प्रसाद लोगों में वितरण करें। इसके बाद गरीब व जरूरतमंद लोगों को यथासंभव दान करें। इस दिन सात्विक भोजन करना चाहिए।

महत्व बता दें कि आप धर्म, शास्त्र और शस्त्र की आराधना का महापर्व है। धार्मिक मान्यता है कि परशुराम जयंती के दिन व्रत और पूजा करने से जातक को साहस, शक्ति और शांति की प्राप्ति होती है। वहीं निःसंतान दंपतियों के लिए यह व्रत फलदायी माना जाता है। इस दिन दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है।

न्यायप्रियता और शौर्य के अवतार भगवान परशुराम

भगवान परशुराम का वास्तविक नाम राम ही था, किन्तु भगवान शिव द्वारा प्रदत्त अमोघ अस्त्र परशु को सदैव धारण किए रहने के कारण ये परशु वाले राम अर्थात् परशुराम कहलाए। ये राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि मुनि के पुत्र थे। जमदग्नि मुनि के पुत्र होने के कारण इनका एक नाम 'जामदग्न्य' भी था। ये भगवान शिव के परम भक्त थे। समस्त शस्त्रों एवं शास्त्रों के ज्ञाता भगवान श्रीहरि विष्णु के 'आवेशावतार' भगवान परशुराम का प्रादुर्भाव सतयुग एवं त्रेता युगों के संधि काल में 5142 वि.पू. वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रात्रि के प्रथम प्रहर में हुआ था। भगवान परशुराम की शक्तियां अनश्वर एवं अक्षय थीं। यही कारण है कि उनकी प्राकट्य तिथि यानी वैशाख महीने शुक्ल तृतीया तिथि 'अक्षय तृतीया' के नाम से विभूषित हुई। यह तिथि अत्यंत ही शुभ एवं अति विशिष्ट मानी जाती है।

महान पराक्रमी

शास्त्रोक्त है कि भगवान श्रीहरि विष्णु ने अहंकार में चूर, अत्याचारी एवं क्रूर क्षत्रिय राजाओं को दंडित करने के लिए भगवान परशुराम के रूप में अवतार लिया था। इन्होंने धर्म से द्वेष करने वाले अन्यायियों का दमन कर जगत् के रक्षार्थ भगवान शिव द्वारा प्रदत्त अमोघ अस्त्र परशु धारण किया था। इन्होंने भगवान श्रीहरि विष्णु के पांचवें एवं सातवें अवतारों यानी भगवान वामन एवं श्रीराम के मध्य क्रम में सनातन मर्यादाओं की रक्षा के लिए ही धरती पर अवतार धारण किया था। इन्होंने भगवान शिव से भगवान श्रीकृष्ण का त्रैलोक्य विजय कवच, स्तवराज स्तोत्र एवं मंत्र कल्पतरु प्राप्त किया था। वहीं, भगवान श्रीराम से इन्होंने 'सुदर्शन चक्र' भी प्राप्त किया था।

मनोहारी छवि के स्वामी

भगवान परशुराम महान पराक्रमी एवं अत्यंत क्रोधी स्वभाव के होने के साथ-साथ बेहद पावन व्यक्तित्व एवं मनोहारी छवि के स्वामी भी थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने विराट पौरुष वाले भगवान परशुराम के पावन व्यक्तित्व एवं मनोहारी छवि का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया है। उन्होंने श्रीरामचरित मानस के सीता-स्वयंवर प्रसंग में लिखा है– वृषभ कंध उर बाहु बिसाला, चारु जनेउ माल मृगछाला। कटि मुनिबसन तून दुइ बांधें, धनु सर कर कुठारु कल कांधें।

न्यायप्रिय भगवान परशुराम

भगवान शिव के परमभक्त भगवान परशुराम अत्यंत न्यायप्रिय थे। इन्हें अधर्मियों और अत्याचारियों का काल माना जाता था। यहां तक कि असत्य बोलने के लिए दंड स्वरूप इन्होंने अपने शिष्य कर्ण को शाप दे दिया था। दरअसल, कर्ण ने भगवान परशुराम से असत्य बोलकर शिक्षा ग्रहण की थी, लेकिन जब यह बात परशुराम जी को पता चली तो इन्होंने कर्ण को यह शाप दे दिया कि जिस विद्या को उसने असत्य बोलकर प्राप्त की है, वही विद्या युद्ध के समय वह भूल जाएगा और कोई भी अस्त्र या शस्त्र चला नहीं पाएगा।